सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 333 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 16 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

गौ तस्करी में लिप्त आरक्षक को भेजा जेल, रेड की सूचना भी की थी लीक

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने अपने ही एक आरक्षक को गौ तस्करी के मामले में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरक्षक डिलेश्वर पठारे पाटन थाने में पदस्थ था और गौ तस्करों से मिलकर तस्करी करवाता था। पुलिस ने आरक्षक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसडीओपी पाटन आशीष बंछोर ने बताया कि बीते 10 सिंतबर को पाटन के फुंडा गांव स्थित एक फार्म हाउस में उनकी टीम ने रेड मारी थी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी वहां से फरार हो गए थे। पुलिस ने मौके से ट्रक में भरे और फार्म हाउस में बंधे हुए 46 मवेशियों का रेस्क्यू किया था। जांच करने पर पता चला कि गौ तस्करी का मुख्य आरोपी संजयगिरी गोस्वामी है। उसी के फार्म हाउस में बेजुबानों को ट्रक में ठूंसकर भरा जाता है और फिर मध्य प्रदेश के कटनी कत्लखाना भेजा जाता है। पुलिस ने जब संजय का सीडीआर खंगाला तो पता चला कि पाटन थान में पदस्थ आरक्षक डिलेश्वर पठारे लगातार उसके संपर्क में था। पुलिस ने जब फार्महाउस में रेड मारी तो डिलेश्वर पठारे ने संजय को फोन करके इसकी जानकारी दे दी थी। इसलिए वो गाड़ी और मवेशी छोड़कर वहां से अपने साथियों के साथ फरार हो गआ। सिपाही के खिलाफ पुख्ता साक्ष्य मिलने के बाद एसडीओपी अशीष बंछोर ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आरक्षक डिलेश्वर पठारे के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। इस मामले में फरार मुख्य सरगना की पुलिस तलाश कर रही है।

सार्वजनिक स्थल पर बाइक स्टंट, पुलिस ने की बेदम पिटाई एएसआई निलंबित

कोरबा। उत्पाती युवक की पिटाई करने वाले दो एएसआई को एसपी ने निलंबित कर दिया है। सार्वजनिक स्थल में बदमाश युवक की पिटाई करने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। इसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई है। मामला दीपका थाना क्षेत्र का है।

दीपका थाना क्षेत्र के गेवरा स्टेडियम में गणेश उत्सव समिति के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन 11 सितंबर को किया जा रहा था उक्त कार्यक्रम में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था हेतु दीपका थाने में पदस्थ दो एएसआई खगेश राठौर और जितेश सिंह की ड्यूटी लगाई गई थी। पर वे निर्धारित समय में कर्तव्य स्थल पर नहीं पहुंचे। समिति के आयोजकों के द्वारा थाना दीपका को सूचना दी गई कि एक युवक गलत तरीके से बाइक चलाते हुए कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित कर रहा है। सूचना पर जितेश सिंह एवं खगेश राठौर मौके पर पहुंचे। उन्होंने उक्त युवक के बाल खींचकर उसकी जमकर पिटाई की। सार्वजनिक स्थल पर हुई टी का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर आम जनों में विभाग की छवि धूमिल होने के चलते और विभागीय गरिमा के प्रतिकूल कार्य आचरण प्रदर्शित करने एवं स्वेच्छाचारिता बरतने के लिए एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने दोनों एएसआई को निलंबित करते हुए रक्षित केंद्र में अटैच कर दिया है।

नीचे से ऊपर तक कलेवर बदलेगी कांग्रेस

ब्लॉक से लेकर प्रदेश संगठन तक में बदलेंगे चेहरे, पायलट का हिंट

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। दो दिन के छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट ने स्पष्ट कर दिया है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस में आमूलचूल परिवर्तन होने जा रहा है। पहले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव में मिली करारी पराजय से सबक लेते हुए कांग्रेस जल्द ही ब्लॉक से लेकर प्रदेश संगठन तक में चेहरे बदलने जा रही है। पार्टी के भीतर लम्बे समय से बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है, क्योंकि 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है। पुरानी टीम की ही अगुवाई में हुए चुनावों में पार्टी को लगातार पराजय मिली। संभवत: यही वजह है कि अब कांग्रेस का कलेवर बदलने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक, लम्बे समय से पदों पर बैठे और निष्क्रिय पदाधिकारियों पर गाज गिरने जा रही है। इनकी जगह नए और युवा चेहरों को मौका दिया जाएगा। बताया गया है कि इसके लिए सूची भी तैयार कर ली गई है।

नगरीय निकाय चुनाव से पहले प्रदेश में कांग्रेस का कलेवर बदलने की तैयारी है। इसके लिए प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, नवनियुक्त प्रभारी सचिव एसए संपत और जरिता लैतफलांग रविवार को दो दिन के छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए पायलट ने प्रदेश सरकार के कामकाज से लेकर पार्टी की आगामी रणनीतियों को लेकर चर्चा की। राज्य में जल्द ही नगरीय निकाय और पंचायतों के चुनाव होने हैं। इसके अलावा रायपुर दक्षिण की विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव भी होना है। वहीं, संगठन को भी चाक-चौबंद किया जाना है। पार्टी संगठन पूरी तरह से एक्टिव में नहीं है। सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने में भी पार्टी के नेता एकराय नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष समेत एक-दो पदाधिकारी ही पूरे प्रदेश संगठन को चला रहे हैं। इन सब स्थितियों के मद्देनजर जुझारू, सक्रिय व युवा लोगों को सामने लाने की चर्चा है। खबर है कि संगठनात्मक बदलाव में ग्रामीण क्षेत्रों को प्रमुखता दी जा सकती है।

उपेक्षित कार्यकर्ता हैं नाराज

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद जमीनी कार्यकर्ताओं को पूरी तरह से भुला दिया गया था। इसके चलते चुनाव के वक्त ये कार्यकर्ता बैठे रहे। इनकी मान मनौव्वल की तमाम कोशिशें भी कामयाब नहीं हुई। नतीजा यह निकला कि 5 साल तक सत्ता में रहने के बाद कांग्रेस की विदाई हो गई। इसके बाद कार्यकर्ताओं का गुस्सा भी फूटा। लोकसभा चुनाव के दौरान भी कमोबेश ऐसा ही नजारा देखने को मिला था। इस चुनाव में पार्टी ने अपने बड़े चेहरों को सामने किया था, लेकिन एक भी प्रमुख चेहरा हाईकमान की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। पार्टी इकलौती कोरबा की सीट बचाने में कामयाब रही। इसके बाद एक बार फिर कार्यकर्ताओं का आक्रोश देखने को मिला था। कांग्रेस के एक गुट विशेष पर अपने लोगों को आगे बढ़ाने और जमीनी कार्यकर्ताओं की सुध नहीं लेने के आरोप लगे। बावजूद इसके संगठन में बदलाव की ओर ध्यान नहीं दिया गया। वर्तमान हालात यह है कि कार्यकर्ता पार्टी की लगातार पराजयों से हतोत्साहित हैं। यदि संगठन में बड़े बदलाव नहीं होते हैं तो कार्यकर्ताओं को घर से निकालने में फिर से दिक्कत हो सकती है। शायद यही वजह है कि पार्टी के आला नेता फूंक फूंककर कदम रख रहे हैं। अब कांग्रेस की नजर नगरीय निकाय और पंचायत के चुनावों में है। यदि इन चुनावों में भी सफलता हाथ नहीं लगी तो पार्टी की भावी तैयारियों पर सीधा असर होगा।

सक्रिय नहीं हैं तो बदले जाएंगे

रायपुर पहुंचने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए प्रदेश प्रभारी श्री पायलट ने साफ कहा कि प्रदेश में जहां-जहां पदाधिकारी पार्टी के कामकाज में सक्रिय नहीं है और लम्बे समय से जमे हुए हैं, उन्हें हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रकोष्ठों में भी जो पद रिक्त पड़े हुए हैं, उन्हें भरा जाएगा। अपने दौरे के दूसरे दिन पायलट ने आज कांग्रेस भवन में वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा की। फिलहाल चर्चा का विवरण उपलब्ध नहीं हो पाया है, लेकिन बताया जा रहा है कि रायपुर दक्षिण विधानसभा में होने वाले उपचुनाव को लेकर पायलट ने गम्भीरता बरतने को कहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी जो भी चेहरा तय करेगी, उसकी जीत के लिए सबको एकजुट होना होगा। इसके अलावा नगरीय निकायों और पंचायत चुनावों में भी जमकर मेहनत करने की नसीहत पायलट ने दी है। बताया गया है कि बैठक में सीनियर नेताओं को जिलेवार जवाबदारी सौंपे जाने को लेकर भी चर्चा हुई है। इधर, पार्टी के असंतुष्टों का कहना है कि जिलों में लम्बे समय से खुंटा गाड़कर बैठे वरिष्ठ नेताओं के चलते दीगर नेताओं व कार्यकर्ताओं को सामने आने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। जब तक इन हालातों को गम्भीरता से लेकर इसका निवारण नहीं किया जाएगा, प्रत्येक क्षेत्र में नाराज और असंतुष्ट लोगों की संख्या बरकरार रहेगी।

भिलाई-दुर्ग के दौरे पर रहे पायलट

रविवार को दोपहर छत्तीसगढ़ पहुंचने के बाद प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट भिलाई और दुर्ग के दौरे पर रहे। उन्होंने भिलाई के विधायक देवेन्द्र यादव के परिजनों से मुलाकात कर भरोसा दिलाया कि पूरी कांग्रेस उनके साथ है। गौरतलब है कि देवेन्द्र यादव फिलहाल जेल में अवरूद्ध हैं। बलौदा बाजार में हुए आगजनी कांड से पहले उन पर भड़काऊ बयानबाजी के आरोप लगे थे। जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी की गई। भिलाई पहुंचने पर पायलट ने देवेन्द्र यादव के परिजनों से मिलकर कानून व्यवस्था पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि देवेन्द्र यादव निर्दोष हैं और उन्हें फंसाया जा रहा है। लेकिन पूरी कांग्रेस उनके साथ मजबूती से खड़ी है। भिलाई के बाद सचिन पायलट पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से मिलने उनके निवास पहुंचे। पिछले दिनों श्री साहू की पत्नी कमला साहू का निधन हो गया था। ताम्रध्वज साहू से मुलाकात कर सचिन पायलट ने उनको दुख की इस घड़ी में सांत्वना दी। इससे पहले मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कानून व्यवस्था के प्रति नाराजगी जाहिर की।

मोबाइल दिलाने के नाम पर युवक को ले गए और पत्थर से सिर कुचलकर की हत्या, एक आरोपी हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में बीती रात एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। युवक मोबाइल लेने अपने दो दोस्तों के साथ निकला था। रास्ते में उसे एक परिचित मिला और उसे मोबाइल दिलाने व शराब पार्टी का लालच देकर बीईसी कंपनी के पीछे ले गया। यहां अपने दो साथियों के साथ मिलकर पहले मारपीट शुरू की। इसके डर से युवक के दो साथी भाग गए। इधर बदमाशों ने पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना थाना पुरानी भिलाई क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में बीइसी कंपनी के पीछे की है। पुलिस को सूचना मिली कि यहां खाली मैदान दलदली जगह पर एक युवक अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पुरानी भिलाई थाना टीम ने मौके पर पहुच

108 की मदद से अचेत युवक को सुपेला अस्पताल रवाना किया गया। सुपेला अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नारधा निवासी नरेंद्र गायकवाड के रूप में हुई है। घटना स्थल में आहत के सिर से अत्यधिक खून निकला था। पास में एक पत्थर मिला जिसमें खून पाया गया।

शुरूआती जांच में पुलिस को जानकारी मिली कि मृतक नरेन्द्र अपने दोस्त आयुष और निकेश के साथ जामुल मोबाइल लेने

मृतक

पहुंचा था। पुलिस ने मृतक नरेन्द्र के दोस्त आयुष और निकेश से पूछताछ की तो पता चला कि जब वे मोबाइल लेने गए तो उन्हें ढौर निवासी जितेंद्र वर्मा मिला उसके साथ 2 अन्य लड़के थे। जितेंद्र वर्मा ने नरेन्द्र को मोबाइल दिलाने और शराब पिलाने की बात कही और बीईसी कंपनी के पीछे खाली मैदान पर ले गया।जहां सुनसान जगह पर मौका पाकर जितेंद्र वर्मा और उसके साथ आए 2 अन्य लड़कों ने मारपीट शुरू कर दी। आयुष और निकेश ने बताया वे दोनों वहां से भाग गए। इधर जितेन्द्र ने नरेंद्र के सिर पर भारी पत्थर से वार कर दिया। इसके बाद आरोपी जितेंद्र वर्मा भागने के फिराक में दलदली नाले में गिर कर बेहोश गया। जितेन्द्र को पुलिस ने हॉस्पिटल में भर्ती कराया है जबकि दो अन्य फरार हैं जिसकी तलाश की जा रही है।

पूनमचंद यादव के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर दी विनम्र श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उज्जैन में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पूज्य पिता स्व. पूनमचंद यादव के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर स्व. पूनमचंद यादव के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवंगत पुण्यात्मा को शांति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की।

गणेशोत्सव का बिगड़ता स्वरूप

श्रीकंचनपथ

हिन्दुओं के प्रथम आराध्य देव गणपति की पूजा सतयुग से होती आ रही है। किसी भी कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने के लिए सर्वप्रथम गणपति का ही आह्वान किया जाता है। छत्रपति शिवाजी की माता जीजाबाई ने पुणे में कस्बाई गणपति की स्थापना की थी। गणपति के प्रति लोगों की इस अटूट आस्था के चलते प्रखर स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने इस दस दिवसीय पर्व को सार्वजनिक स्वरूप प्रदान किया। 1893 में पहली बार उन्होंने सार्वजनिक गणेशोत्सव का आयोजन किया। इस मंच का उद्देश्य लोगों को एकजुट कर उनके साथ धर्म, राजनीति और देश, काल, परिस्थितियों की चर्चा करना था। तिलक ने गणेशोत्सव को आजादी की लड़ाई, छुआछूत दूर करने, समाज को संगठित करने तथा लोगों के ज्ञानवर्धन का जरिया बनाया। कवि गोविन्द इन्हीं सार्वजनिक पंडालों से लोगों को देशभक्ति के लिए प्रेरित करते थे और स्वतंत्रता के लिए उन्हें ललकारते थे। गणेशोत्सव का यह स्वरूप समय के साथ बिगड़ता चला गया। जिन उद्देश्यों को लेकर सार्वजनिक गणेशोत्सव की नींव रखी गई थी, वो कब के पीछे छूट चुके हैं। आज नब्बे प्रतिशत गणेश पंडालों में केवल आयोजक ही आते जाते नजर आते हैं। अकेला भोंपू आसपास के रहने वालों को धार्मिक गीत-भजन सुनाता रहता है। इसमें भी गाने लूप में डले होते हैं इसलिए बार-बार इसे छेड़ने की जरूरत नहीं होती। सार्वजनिक पंडालों की इस हालत के कई कारण हैं। पचास घर के मोहल्ले में पांच सार्वजनिक गणेश बैठाए जाएंगे तो अंजाम यही होना है। वैसे भी टीवी और मोबाइल ने लोगों को घर-घुसरू बना रखा है। इसलिए भीड़ जुटाने के टोटके आजमाए जाते हैं। भीड़ केवल वहीं होती है जहां आकर्षक झांकी होती है या फिर मेला लगा होता है। कुछ कहने सुनने का ऐसे पंडालों में कोई मौका ही नहीं होता। कुछ ही पंडालों में ढंग के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं जहां किसी चर्चा की गुंजाइश होती है। इसलिए अब गणेश पंडाल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए भाड़े के डीजे पर शोरशराबा करते हैं। भंडारे के बाद लोगों का ध्यान आकर्षित करने का यह सबसे सस्ता तरीका है। पर ये ध्वनि प्रदूषण लोगों की जान भी ले सकता है। डीजे न केवल पंडालों में बजाए जाते हैं बल्कि गणपति आगमन एवं विसर्जन की रैली में भी इनका भौंडा इस्तेमाल होता है। इस बार छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल ने सख्त दिशा निर्देश जारी करते हुए गाड़ियों पर डीजे को प्रतिबंधित कर दिया। पर इस निर्देश से गली मोहल्ले अछूते हैं। गणेश पंडालों ने वहां लोगों का जीना हराम किया हुआ है। सजावट के नाम पर सड़कों पर गेट बना कर उन्हें संकरा बनाने से शुरू होकर यह उपद्रव रास्ता बंद करने और बेवक्त शोर-शराबा करने तक जाता है। इसी उपद्रव के चलते भिलाई में एक बुजुर्ग ने अपनी जान दे दी। शायद लोगों के ज्ञान चक्षु खुल जाएं। शायद चंदा देने वालों को भी समझ में आ जाए कि वो कोई धर्म का काम नहीं कर रहे।

संपादकीय

मौसम से सावधान

मानसून अब जाने को है और जाते-जाते बीमारियों का प्रकोप इस तरह बढ़ गया है कि चिकित्सकों की व्यस्तता बहुत बढ़ गई है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ गई है और अगर समय पर सही इलाज न हो, तो मौसमी बीमारियां भी जानलेवा साबित होती हैं। विशेष रूप से कमजोर रोग प्रतिरोधी क्षमता वाले लोगों को तो मौसमी बीमारियां कुछ ज्यादा ही सताती हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि मौसम के साथ तालमेल बिठाकर चलने की परिपाटी पहले से कुछ कमजोर पड़ी है, पर इलाज की सुविधा के बढ़ने से माहौल में बदलाव आया है। वैसे चिकित्सक पूरे मानसून या बरसात के मौसम में सतर्क रहने की सलाह देते हैं। फिर भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो कोताही या लापरवाही बरतकर अपनी मुश्किलें बढ़ा लेते हैं। मौसमी बीमारियों से अलग एमपॉक्स भी चिंता की वजह बना हुआ है। एमपॉक्स का एक मरीज अभी भारत में है और उम्मीद करनी चाहिए कि यह बीमारी भारत में न फैले। अफ्रीका में अब तक 100 से ज्यादा लोग इसके कारण मारे गए हैं और खुशखबरी यह है कि एमपॉक्स से बचाव के लिए दुनिया के पहले टीके को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी मंजूरी दे दी है।

> “बरसात और उसमें भी जाती हुई बरसात डेंगू के खतरे को बढ़ा देती है। जगह-जगह जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। इस मौसम में एडीज मच्छरों की संख्या बढ़ जाती है और जब ये मच्छर काटते हैं, तो डेंगू के लक्षण उभर आते हैं। तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, आंखों में पीछे दर्द, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, शरीर पर दाने और रक्तस्राव का भी खतरा पैदा हो जाता है। पिछले वर्ष देश में डेंगू से 485 लोगों की मौत हुई थी और ढाई लाख से ज्यादा लोगों को इसने परेशान किया था। विशेष रूप से दक्षिण भारत में डेंगू का प्रकोप इस बार ज्यादा है, देश में 32 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, अतः सावधान रहने की जरूरत है।

अनावश्यक जलभराव से भी बचने की जरूरत है। मौसमी बीमारियों में चिकनगुनिया भी शामिल है। यह भी मच्छरों से फैलने वाला वायरल रोग है, इसमें भी तेज बुखार, मांसपेशियों व जोड़ों में गंभीर दर्द, सिरदर्द और थकान की शिकायत सामने आती है। चिकनगुनिया के साथ सबसे बुरी बात यह है कि इसका दुष्प्रभाव हफ्तों तक बना रह सकता है। ठीक इसी तरह, मलेरिया के भी मामले इस मौसम में बढ़ जाते हैं। यह भी परजीवी प्लाज्मोडियम और संक्रमित एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। इन दिनों ज्वर और वायरल बुखार के भी मामले बहुत बढ़ गए हैं। वायरल के लिए अनेक प्रकार के वायरस जिम्मेदार होते हैं और ये वायरस अपना प्रभाव या दुष्प्रभाव बदलते रहते हैं। वायरल बुखार से कमजोरी तेजी से बढ़ती है। जुकाम और खांसी के मरीजों की तो कोई गिनती ही नहीं है। अभी शायद ही कोई अस्पताल होगा, जहां मौसमी बीमारियों से सताए गए लोग अपना इलाज न करा रहे हों।

भारत में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़नी चाहिए, ताकि बदलते मौसम में लोग अपने स्वास्थ्य का बचाव कर सकें। विशेष रूप से बच्चों को सेहतमंद रखने के लिए बड़ों को भी चौकस रहना चाहिए। बड़े अगर चौकस रहेंगे, तो बच्चों में भी सावधान रहने के गुण का विकास होगा। यह बात स्पष्ट है कि सामान्य सर्दी-जुकाम की वजह से भी लोगों का कामकाज प्रभावित होता है, उनकी उत्पादक क्षमता घटती है और कमाई भी। अतः बढ़ती सुविधाओं के साथ सामान्य लगने वाली बीमारियों को भी गंभीरता से लेने की आदत विकसित होनी चाहिए।

नजरिया

सामान्य से ज्यादा बारिश के बावजूद बरकरार मानसून

मानसून की विदाई के फिलहाल कोई संकेत नहीं हैं। बंगाल की खाड़ी में एक और कम दबाव का क्षेत्र बन चुका है, जो इस हफ्ते तक धीरे-धीरे पूरे उत्तर-पश्चिम भारत को भिगोएगा। मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान तक इसका असर दिख सकता है।

केजे रमेश, पूर्व निदेशक, भारतीय मौसम विभाग

वास्तव में, यह लगातार चौथा सप्ताह है, जब कहीं न कहीं बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना और बहुत इलाकों में तेज बारिश होती रही। अभी पिछले हफ्ते ही इंदौर और झांसी के बीच बारिश होने के बाद कम दबाव का क्षेत्र पश्चिमी विक्षोभ के संपर्क में आया और पहाड़ की तरफ आगे निकल गया। इसके कारण दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश होती रही। नेपाल का पश्चिमी हिस्सा भी इससे प्रभावित रहा। कहीं-कहीं तो तूफानी हवा के साथ भारी से अत्यधिक भारी बारिश हुई। इसका असर आम जनजीवन पर भी पड़ा।

यह सही है कि सितंबर महीने तक मानसून का चक्र पूरा हो जाता है, लेकिन यह गणना अनुमान पर आधारित होती है। तकनीकी तौर पर मानसून का चक्र जून से सितंबर तक ही होता है, लेकिन जब 1 जून को केरल के तट से मानसून टकराता है, तो उसके बाद पूरे देश में उसके फैलने का महज अनुमान लगाया जाता है। इसमें बीच-बीच में सुधार भी किया जाता है, क्योंकि मौसमी परिस्थितियों के कारण मानसून का असर कम-ज्यादा होता रहता है। वास्तव में, इस साल पिछले गुरुवार तक मानसूनी बारिश सामान्य से 8.25 प्रतिशत ज्यादा हुई है। बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों के कुछ जिलों में बेशक सामान्य से कम बारिश देखी गई, लेकिन समग्रता में बीते कुछ वर्षों में हमने सबसे बेहतर मानसून इसी साल देखा है।

इसका सबसे बड़ा संकेत हमारे जलाशय हैं। उनमें सामान्य से ज्यादा पानी भर गया है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक ऐसा कोई जलाशय नहीं, जिसमें पानी लबालब न हो। इसका फायदा यह है कि खरीफ फसलों के लिए जितना पानी हमें चाहिए, वह तो हमारे पास उपलब्ध हो ही गया, रबी की अगली फसलों के लिए भी पर्याप्त पानी हमने जमा कर लिया है। यह स्थिति तब है, जब बारिश लगातार होने से कई जगहों पर सिंचाई की आवश्यकता नहीं महसूस की जा रही। ऐसा बहुत वर्षों बाद देखने को मिला है। जाहिर है, जलाशयों में पानी की यह अधिकता फसलों को काफी फायदा पहुंचाएगी।

अच्छी मानसूनी बारिश का लाभ सिर्फ जलाशयों और फसलों को ही नहीं मिलता है, पेयजल के मामले में भी हमें काफी राहत मिल जाती है। आकलन तो यही है कि अब तक जितनी बारिश हो चुकी है, उस हिसाब से अगले मानसून तक पीने के पानी की कहीं कोई कमी शायद ही दिखे। यह उन इलाकों के लिए सुखद स्थिति है, जहां गर्मी के मौसम में भूजल का स्तर नीचे चला जाता है और लोगों को पीने के पानी के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। देखा जाए, तो मौसम विभाग ने हमेशा की तरह इस बार भी सटीक अनुमान किया है। कुछ जिलों में अगर बारिश आकलन के मुताबिक नहीं हुई है, तो उसका ज्यादा असर नहीं पड़ने वाला। पंजाब और हरियाणा के उन जिलों में, जहां सामान्य से कम बारिश हुई है, सिंचाई का पूरा जाल बिछा हुआ है और बारिश के पानी पर फसलों की निर्भरता नहीं है। कुछ यही हाल उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का है, जहां औसत से कम बारिश फसलों को शायद ही बड़ा नुकसान पहुंचाएगी। यही कारण है कि इस साल फसलों की बंपर पैदावार की उम्मीद की जा रही है। इसलिए, सूखा संबंधी रिपोर्ट का कोई तुक नहीं है। हां, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक के उत्तरी हिस्सों में कुछ जगहों पर खेती बारिश के ऊपर निर्भर करती है, जहां मानसूनी बादलों का कम बरसना कुछ हद तक असर डाल सकता है, पर समग्रता में देखें, तो इसका भी बहुत ज्यादा प्रभाव नहीं दिखेगा।

कुल मिलाकर, एक अच्छे मानसूनी साल का हम गवाह बने हैं। जलाशयों में भरपूर पानी है, भूजल की स्थिति सुधरी है और फसलों को भी पर्याप्त पानी मिल रहा है। इन सबका फायदा लोग, समाज, देश और अर्थव्यवस्था, सबको मिलेगा।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

घुटती सांसों से कम होती औसत आयु की चिन्ता

ललित गर्ग

राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए।

वायु प्रदूषण का संकट भारत की राष्ट्रव्यापी समस्या है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हाल ही में जारी रिपोर्ट इस चिन्ता को बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु तीन से पांच वर्ष एवं दिल्ली में दस से बाहर वर्ष कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। दरअसल, देश के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल-पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफ्लिा, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। यह बढता वायु प्रदूषण हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है।

यह निराशाजनक खबरों के बीच उत्साहवर्धक खबर यह भी है कि भारत में सूक्ष्म कणों से पैदा होने वाले जानलेवा प्रदूषण में गिरावट आई है। लेकिन अभी जीवन प्रत्याशा घटाने वाले प्रदूषण को लेकर जारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक-2024' बताती है कि भारत में साल 2021 की तुलना में 2022 के वायु प्रदूषण में 19.3 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, यह उपलब्धि मौजूदा हालात में बहुत बड़ी तो नहीं कही जा सकती है, लेकिन यह बात उत्साहवर्धक है कि प्रत्येक भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इक्यावन दिन की वृद्धि हुई है। हालांकि, हम अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं, लेकिन एक विश्वास जगा है कि युद्ध स्तर पर प्रयासों से भयावह प्रदूषण के खिलाफ किसी हद तक जंग जीती भी जा सकती है। लेकिन इसके साथ ही सूचकांक-2024 में यह चेताया भी है कि यदि भारत में डब्ल्यूएचओ के वार्षिक पीएम 2.5 के सांद्रता मानक के लक्ष्य पूरे नहीं होते तो भारतीयों की जीवन प्रत्याशा में करीब साढ़े तीन साल की कमी आने की आशंका पैदा हो सकती है। पीएम 2.5 श्वसन प्रणाली में गहराई तक प्रवेश कर सकता है और सांस संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। यह स्वास्थ्य को एक बड़ा खतरा है और वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक है।

हालांकि, राजधानी समेत कई अन्य राज्यों में मेट्रो ट्रेन शुरू होने के बाद प्रदूषण में काफी कमी आई है। इस दिशा में हमें दीर्घकालीन नीतियों के बारे में सोचना होगा। हमारी कोशिश हो कि घनी आबादी के बीच चलायी जा रही औद्योगिक इकाइयों को शहरों से दूर स्थापित किया जाए। हमारे उद्यमियों को भी जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रदूषण नियंत्रण में योगदान देना चाहिए। नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि प्रदूषण में अप्रत्याशित वृद्धि के बाद दिल्ली आदि महानगरों में चलाये जाने वाले ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रेप जैसी व्यवस्था को नियमित रूप से लागू क्यों नहीं किया जा सकता? ताजा कुछ अध्ययनों में बताया गया है कि बढ़ता प्रदूषण नवजात शिशुओं तथा बच्चों की जीवन प्रत्याशा पर बुरा प्रभाव डाल रहा है। ऐसे में हमें पराली के निस्तारण, औद्योगिक कचरे के नियमन तथा कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर रोक लगाने जैसे फौरी उपाय तुरंत करने चाहिए। ऐसे तमाम प्रदूषण स्रोतों को नियंत्रित करने की जरूरत है जो हमारे जीवन पर संकट पैदा कर रहे हैं।

अध्ययन कहता है कि भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। हम न भूलें कि देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की गिनती लगातार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में होती रही है। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने-अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशः चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की लालसा एवं भौतिकतावादी जीवनशैली की चमक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा?

रिपोर्ट में उल्लेखित प्रदूषण में आई गिरावट की वजह अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियां बतायी गई हैं। हालांकि, हकीकत यह भी है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिये चलायी जा रही कई योजनाओं के सकारात्मक परिणामों का भी इसमें योगदान रहा है। खासकर भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जिन शहरों को शामिल किया गया था, वहां भी पीएम-2.5 सांद्रता में गिरावट देखी गई है। वहीं स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव प्रदूषण नियंत्रण पर नजर आया है। इससे भारत के रिहाइशी इलाकों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिली है। ऐसी योजनाओं को पूरे देश में लागू करने का सुझाव भी दिया गया है। बहरहाल, हमें वर्ष 2022 के उत्साहजनक परिणामों के सामने आने के बाद व्यापक लक्ष्यों के प्रति उदासीन नहीं होना है। यह एक लंबी लड़ाई है और इसमें सरकार व समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि सरकारों के भरोसे ही लगातार गहराते पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है।

निश्चित ही वायु प्रदूषण से उत्पन्न दमघोटू माहौल का संकट जीवन का संकट बनता जा रहा हैं। वायु प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल गंभीर होती जा रही है। सरकारें अनेक लुभावने तर्क एवं तथ्य देकर समस्या को कमतर दिखाने की कोशिशें करती है। लेकिन हकीकत यही है कि लोगों का दम घुट रहा है। अगर वे सचमुच इससे पार पाने को लेकर गंभीर हैं, तो वह व्यावहारिक धरातल पर दिखना चाहिए। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे राष्ट्र को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? वास्तव में यह विभिन्न राज्य सरकारों का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है, जिसने सबको जहरीले वायुमंडल में रहने को विवश किया है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता।

(ये लेखक के विचार हैं)

प्रो. संजय द्विवेदी

हिंदीः राजभाषा, राष्ट्रभाषा व विश्वभाषा

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। आज देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ अंग्रेजी पूरे देश पर हावी होती जा रही है। देश की राजभाषा हिंदी होने के बावजूद आज हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं। इसलिए भारत सरकार का प्रयास है कि हिंदी के प्रचलन के लिए उचित माहौल तैयार किया जा सके। राजभाषा हिंदी के विकास के लिए खासतौर से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो।

केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो गया है। राजभाषा विभाग द्वारा वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है, जिससे भारत सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा अन्य रिपोर्टें राजभाषा विभाग को त्वरित गति से भिजवाना आसान हो गया है। सभी मंत्रालयों और विभागों ने अपनी वेबसाइटें हिंदी में भी तैयार कर ली हैं। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा संचालित जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को हिंदी में मिलने से गरीब, पिछड़े और कमजोर वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हुए देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

देश की स्वतंत्रता से लेकर हिंदी ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत सरकार द्वारा विकास योजनाओं तथा नागरिक सेवाएं प्रदान करने में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हिंदी तथा प्रांतीय भाषाओं के माध्यम से हम बेहतर जन सुविधाएं लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय द्वारा 'विश्व हिंदी सम्मेलन' और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष सरकार द्वारा 'प्रवासी भारतीय दिवस' मनाया जाता है, जिसमें विश्व भर में रहने वाले प्रवासी भारतीय भाग लेते हैं। विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम से भारतीय मूल्यों का विश्व में और अधिक विस्तार हो रहा है। विश्वभर में करोड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को एक नई पहचान मिली है। भारतीय विचार और संस्कृति का वाहक होने का श्रेय हिंदी को ही जाता है। आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है।

हिंदी आम आदमी की भाषा के रूप में देश की एकता का सूत्र है। सभी भारतीय भाषाओं की बड़ी बहन होने के नाते हिंदी विभिन्न भाषाओं के उपयोगी और प्रचलित शब्दों को अपने में समाहित करके सही मायनों में भारत की संपर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है। हिंदी जन-आंदोलनों की भी भाषा रही है। हिंदी के महत्त्व को गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए तकनीकी कंपनियां इस भाषा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। यह खुशी की बात है कि सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी का इस्तेमाल बढ़ रहा है। आज वैश्वीकरण के दौर में, हिंदी विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा बनकर उभरी है। आज पूरी दुनिया में 260 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें बड़े पैमाने पर हिंदी में लिखी जा रही हैं। सोशल मीडिया और संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है।

भाषा का विकास उसके साहित्य पर निर्भर करता है। आज के तकनीकी के युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भी हिंदी में काम को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि देश की प्रगति में ग्रामीण जनसंख्या सहित सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके लिए यह अनिवार्य है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तकनीकी ज्ञान से संबंधित साहित्य का सरल अनुवाद किया जाए। इसके लिए राजभाषा विभाग ने सरल हिंदी शब्दावली भी तैयार की है। राजभाषा विभाग द्वारा राष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन योजना के द्वारा हिंदी में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकों के लेखन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे हमारे विद्यार्थियों को ज्ञान-विज्ञान संबंधी पुस्तकें हिंदी में उपलब्ध होंगी। हिंदी भाषा के माध्यम से शिक्षित युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें, इस दिशा में निरंतर प्रयास भी जरूरी है।

भाषा वही जीवित रहती है, जिसका प्रयोग जनता करती है। भारत में लोगों के बीच संवाद का सबसे बेहतर माध्यम हिंदी है। इसलिए इसको एक-दूसरे में प्रचारित करना चाहिये। हिंदी भाषा के प्रसार से पूरे देश में एकता की भावना और मजबूत होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के माध्यम से हम हिंदी के संपर्क भाषा और राजभाषा, दोनों रूपों की तरक्की में बेहतर योगदान कर पाएंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने के निर्णय का स्वागत

दुर्ग। विधायक ललित चंद्राकर ने प्रदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई हिन्दी में भी कराने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के इस फैसले से हिन्दी माध्यम से पढ़ाई करने वाले छात्रों को भी अपनी प्रतिभा के अनुरूप चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़ने का पर्याप्त अवसर मिलेगा। चंद्राकर ने कहा कि हिन्दी दिवस के अवसर पर प्रदेश सरकार का यह निर्णय क्रांतिकारी और मील का पत्थर साबित होगा। उल्लेखनीय है शनिवार को हिन्दी दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री साय ने इसी सत्र से प्रदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने का ऐलान किया है। साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डॉक्टरी की पढ़ाई अब हिंदी में भी होगी। जब तक पठन पाठन और काम काज में हिंदी को बढ़ावा नहीं मिलेगा तब तक हम हिंदी दिवस के उद्देश्य को हासिल नहीं कर सकते हैं। इससे पहले मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड की सरकार ने राज्य में एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में भी कराने का फैसला लिया था। भाजपा विधायक चंद्राकर ने कहा कि हम हर वर्ष हिन्दी दिवस मनाते हैं, लेकिन शासन-प्रशासन और शिक्षा के हर स्तर पर हिन्दी का प्रयोग बढ़ाए बगैर हिन्दी दिवस के उद्देश्यों को हासिल नहीं किया जा सक रहा था। भाजपा सरकार ने शासन- प्रशासन और शिक्षा के हर स्तर पर हिन्दी में अध्ययन-अध्यापन और काम-काज का निर्णय लेकर हिन्दी को उसका सम्मानपूर्ण स्थान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

श्री गणेश विसर्जन महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह कल

भिलाई । आस्था रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा विगत 8 वर्षो से गणेश विसर्जन को अनूठा एंव श्रद्धामय बनाने के उद्देश्य से राजनांदगांव और रायपुर की तर्ज पर भिलाई में भी 'श्री गणेश विसर्जन महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह' का आयोजन किया जा रहा है । इसी कडी में 17 सितम्बर को शाम 7 बजे से शहर में विराजित भगवान श्री गणेश को स्थापित करने वाली समितियां झांकी के रूप में सेंन्ट्रल एवेन्यू से निकलेंगी। इनके सम्मान में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सिविक सेंटर तिराहा सेल परिवार चौक मंगल भवन के सामने 'श्री गणेश विसर्जन महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है जिसकी संपूर्ण तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस धार्मिक आयोजन में शहर के जनप्रतिनिधियों सहित समाजसेवी शामिल होंगे। वर्ष 2024 में होने वाले इस आयोजन के तहत 17 सितम्बर को शाम 7 बजे से कतारबद्ध होकर गणेश पूजन समितियां पूरे भक्ति उल्लास के साथ झांकी के रुप में आगे बढेगी और इन तमाम झांकियों का सम्मान सिविक सेंटर सेल परिवार चौक पर अतिथीयों द्वारा किया जाएगा। श्री गणेश विसर्जन महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह को आकर्षक बनाने के लिए सर्वश्रेश्ठ पंडाल, सर्वश्रेश्ठ, प्रतिमा, सर्वश्रेश्ठ पूजन समिति, सर्वश्रेश्ठ झांकी के लिए आकर्षक पुरस्कार रखे गए है । आस्था रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा कनिष्ठ वर्ग में भी पुरस्कार संजोए गए हैं ताकि छोटी आयोजन समितियों को भी प्रतियोगिता में शामिल कर उनका उत्साह बढ़ाया जा सके। इसके अलावा आयोजन में शामिल होने वाली प्रत्येक समितियों का उत्साह बढाने के लिए उन्हें सम्मानित किया जाएगा । आयोजन के अध्यक्ष मिथलेश ठाकुर एवं संयोजक अनूभूति भाकरे ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष समाज में अपना उल्लेखनीय योगदान देने वाले 5 विशिष्ठ व्यक्तियों को 'भिलाई रत्न सम्मान' से सम्मानित भी किया जाएगा।

विकास कार्यों के लिए मिली 3.97 करोड़ की स्वीकृति, जल्द शुरू होंगे कार्य

विधायक रिकेश सेन के प्रयास से हाउसिंग बोर्ड, 32 एकड़ सहित अन्य जगह होंगे कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में अति आवश्यक पांच कार्यों के लिए विधायक रिकेश सेन की पहल पर नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने 3 करोड़ 97 लाख 41 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। सेन ने जुलाई महीने में वैशाली नगर विधानसभा में आवश्यक विकास कार्यों के लिए 10 करोड़ का प्रस्ताव भेजा था जिस पर फिलहाल अत्यावश्यक लगभग 4 करोड़ के कार्यों को स्वीकृति मिली है।

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि वार्ड-1 आनंद पुरम, वार्ड-2 दीनदयाल कॉलोनी में सीवर लाईन नवीनीकरण कार्य के लिए 24 लाख 98 हजार रूपये, जोन-1 क्षेत्र अंतर्गत शिवाजी चौक से नेहरू नगर आक्सीडेशन पांड तक मेन सीवर लाईन बदलने तथा नेहरू नगर पूर्व में सिवरेज लाईन का नवीनीकरण कार्य के लिए 49 लाख 96 हजार रूपये, निगम के जोन-1 नेहरू नगर अनुविभाग अंतर्गत मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे निगम मुख्यालय से चंद्रा मौर्या चौक, छोकरा जींस तक तथा निगम मुख्यालय इंडियन बैंक के सामने सर्विस रोड के सीमेंटीकरण एवं नवीनीकरण कार्य के लिए 24 लाख 63 हजार रूपये, जोन-1 नेहरू नगर क्षेत्र अंतर्गत मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे कर्मा चौक से सुपेला चौक होते हुए लोहिया पेट्रोल पंप तक क्षतिग्रस्त निकायी नाला के पुन: निर्माण कार्य के लिए 1 करोड़ 97 लाख 84 हजार रूपये और निगम के जोन-2 अंतर्गत वार्ड 24 एवं 25, 32 एकड़ क्षेत्र अंतर्गत सीवरेज लाइन नवीनीकरण कार्य के लिए 1 करोड़ रूपये की स्वीकृति मिली है।

आपको बता दें कि निगम के जोन-1 क्षेत्र अंतर्गत दीनदयाल कालोनी, आनंद पुरम, नेहरू नगर की सीवर लाईन अत्यंत जर्जर व पुरानी होने के कारण इस क्षेत्र के लोगों व निगम अधिकारियों ने विधायक रिकेश सेन से इस कार्य की महति आवश्यकता बताई थी नतीजतन उन्होंने तत्काल इसके लिए प्रस्ताव बनवा कर नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय को पत्र लिखा था। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग पर निगम मुख्यालय से मौर्या चंद्रा चौक तक सर्विस रोड भी लंबे समय से अव्यवस्थित थी। कर्मा चौक से लोहिया पेट्रोल पंप तक क्षतिग्रस्त नाला भी लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया था।

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि इस नाले की अव्यवस्था से समीपस्थ क्षेत्र के लोग लंबे समय से परेशान थे। बरसात में इसका गंदा पानी लोगों के घरों में घुसता रहा तथा अनेक दुर्घटनाएं भी हुईं हैं। इस नाले को व्यवस्थित रूप से अंडर ग्राउंड किया जाएगा ताकि लोगों को नाले की बदबू और बरसात के दिनों अत्यधिक भराव से होने वाली दिक्कत से निजात मिल सके। इसी तरह हाऊसिंग बोर्ड कालोनी और 32 एकड़ क्षेत्र के रहवासियों को जर्जर हो चुकी सिवरेज लाईन से काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता था, उनकी मांग अनुरूप तत्काल पहल कर पूरी सिवरेज लाईन का नये तरीके से निर्माण करवाने के लिए एक करोड़ रूपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। बहुत जल्द ये सभी कार्य प्रारंभ होंगे तथा लंबे समय से इस क्षेत्र की सीवरेज समस्या से लोगों की परेशानियां दूर होंगी।

मिनाक्षी नगर स्थित में नवनिर्मित मंदिर में हनुमान जी की हुई प्राण प्रतिष्ठा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। श्रीराम कालोनी,मिनाक्षी नगर वार्ड 53 केडी पब्लिक स्कूल के निकट श्रीराम विहार कालोनी में नवनिर्मित हनुमान मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हो गई। विनोद अरोरा के सहयोग से नव निर्मित हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हनुमानजी की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही श्रीराम कालोनी वासियों व श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा करने के लिए लग गई। ज्ञात हो कि विजय मालापुरे व मूलचंद वर्मा सहयोग एवं कालोनी वासियों के उपस्थिति में भव्य हनुमान मंदिर का नव निर्मित मंदिर हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत पंडितों द्वारा हनुमान जी की नवीन प्रतिमा का मंत्रोच्चार व पंचामृत से अभिषेक कर विधि-विधान से हनुमान जी की प्रतिमा की स्थापना किया और इसके बाद हवन किया गया, जिसमें कालोनीवासियों ने पूर्णाहूति डाली। पूजा अर्चना के बाद में नवनिर्मित हनुमान मंदिर में सैकड़ों भक्तों को खिचड़ी व हलवा प्रसाद का वितरण भक्तों में किया गया। इस अवसर पर विनोद अरोरा, रत्न यादव,विजय मालापुरे, राजू बक्शी,मूलचंद वर्मा,संतोष खिरोडकर,तेजराम देशमुख, चिंटू मालापुरे जितेंद्र बरेकर रोहित टाडेकर कमलेश मालापुरे लक्की बिजेवर सहित कालोनी वासी मौजूद रहें।

पोषण का स्तर जानने बच्चों का वजन और ऊंचाई जांची

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कुपोषण से मुक्ति के लिए गांवों व शहरों में वजन त्योहार मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत शून्य से छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों का वजन एवं ऊंचाई की जांचकर कम वजन वाले बच्चों को चिन्हित किया जा रहा है। ग्राम सांतरा के आंगनबाड़ी केंद्रों में जनप्रतिनिधियों और पालकों की उपस्थिति में आयोजित ऐसे ही कार्यक्रम कुपोषण मुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक नम्रता तिवारी ने बताया कि पूरे राज्य में जन-जन को कुपोषण के प्रति जागरूक करना है। प्रत्येक परिवार को उनके बच्चों की सही पोषण स्थिति से अवगत कराते हुए प्रत्येक गांव में कम वजन वाले बच्चों को चिन्हित

कर कुपोषण की सही स्थिति का पता लगाना है। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी ललित वर्मा, अनामिका वर्मा, राजेश साहू, नंदिनी कश्यप, लेखराम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मीना, नर्मदा, लता, लोहेश्वरी, उर्मिला, शिलारानी, सभी सहायिका, प्रतिनिधि शामिल हुए।

हिन्दी दिवस पर चर्चा गोष्ठी आयोजित किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर समाजिक सेवा भाव से लगातार विगत 27 वर्षो से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली बहुआयामी सामाजिक संस्था आंध्र स्वाभिमान एसोसिएशन भिलाई छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में भिलाई में निवासरत तेलुगू भाषी प्रबुद्ध जनों व सम्मानित सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में देश की राष्ट्रभाषा हिंदी पर एक परिचर्चा व संगोष्ठी का आयोजन सेक्टर-1 अंबेडकर पार्क भिलाई में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष के.उमाशंकर राव जी तथा उपस्थित सम्माननीय सदस्यों द्वारा सर्वप्रथम भारत माता के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर फूल माला व पुष्प अर्पित कर प्रणाम कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। सर्व प्रथम अध्यक्ष के.उमाशंकर राव जी ने हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर देश वासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं दी। श्री राव ने बताया कि हिंदी भाषा एक परिष्कृत वैज्ञानिक सम्मत सुसंस्कृत भारतीय भाषा है, जो संघीय भारत के अधिकतर राज्यों में अधिकतम लोगों की व्यवहारिक भाषा है। देश की स्वतंत्रता के बाद से ही धीरे-धीरे शनै शनै अनापेक्षित ढंग से शिक्षण, राजकीय व्यवहार तथा अन्य कार्यों में हिंदी भाषा के साथ-साथ अन्य प्रादेशिक भाषाओं का उपयोग का ग्राफ भी धीरे-धीरे गिरता चला गया। जिसके लिए हम सभी देशवासी, देश की व्यवस्था, रोजगार मूलक व्यवस्था व नियम तथा शासकीय सेवा में उच्च अंग्रेजी के ज्ञान की अनिवार्यता तथा हिंदी व प्रादेशिक भाषाओं की उपेक्षा कहीं ना कहीं हिंदी भाषा व अन्य भारतीय प्रादेशिक भाषाओं के पतन का कारण बन रहे हैं।

कार्यक्रम को भिलाई नगर विधायक प्रतिनिधि व पूर्व पार्षद जी.राजू ने भी संबोधित करते हुए कहां की आज भले ही हम विश्व की सर्वश्रेष्ठ हिंदी भाषा के प्रति आदर स्नेह भाव रखते हैं किंतु अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाने को विवश हैं।

आचार्य सम्राट जयमल जी महाराज की 317वां जन्म महोत्सव दुर्ग में मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आचार्य सम्राट श्री जयमल महाराज की 317 वी जन्म महोत्सव जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब दुर्ग में मनाई गई छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से गुरु भक्त परिवार इस आयोजन में शामिल होने दुर्ग आए थे 5 सामायिक की साधना के साथ धर्म सभा की शान बड़ा रहे थे ।

जयमल जी महाराज के जन्म से लेकर संयम साधना से जुड़े प्रेरणादायक संस्मरण नाटिका को श्रमण संघ महिला मंडल ने जीवंत प्रस्तुति दी जिसे धर्म सभा में लोगों ने बेहद सराहा चिन्नई से आए गुरु भक्त श्री सज्जन राज

महेता ने पुरस्कृत किया मासक्षमण की तपस्या की ओर अग्रसर श्रीमती आशा सुराणा का अभिनंदन उनकी बेटी कुमकुम सुराणा ने किया ओर उन्होंने 9 उपवास करने का प्रण लिया आचार्य सम्राट जयमल जी महाराज के जन्म महोत्सव पर आयोजित सभा में कमला सजन राज महेता कुमकुम सुराणा विनय पटवा गोलु गोलक्षा सिद्ध चंद लोढ़ा दिनेश लोढ़ा सोभा सांखला मधुराय सोनी, बसंत बोहरा सुधीर बाघमार ने जन्म महोत्सव पर अपने भाव रखे जय आनंद मधुकर रतन भवन की धर्म सभा को संबोधित करते हुए साध्वी डा सु मंगल प्रभा ने कहा आचार्य सम्राट जयमल जी महाराज का जीवन तप त्याग धर्म ध्यान से ओत-प्रोत था मात्र तीन घंटे की सामायिक साधना के साथ उन्होंने प्रतिक्रमण पुरा किया था एसी कई धर्म साधना श्री जयमल जी महाराज ने की हे उनके जीवन को उदाहरण बना कर अपने जीवन को धर्म के क्षेत्र में जुड़कर आदर्श स्थापित किया जा सकता है

आज के आयोजन को सफल बनाने में श्रमण संघ महिला मंडल श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल वर्धमान सेवा मंच सहित श्रमण संघ के पदाधिकारियों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ

श्रमण संघ द्वारा आयोजित आज के आयोजन में नेमीचंद श्रीमती स्वरुप देवी नाहर लाभार्थी परिवार थे कार्यक्रम में आए अतिथियों को श्री जसराज जी पारख परिवार थे जिन्होंने आज पांच सामायिक की साधना की उन्हें श्री भंवरलाल गोलु चेतन गोलक्षा परिवार ने चांदी के सिक्कों का वितरण किया

आज की सभा का संचालन मंत्री राकेश संचेती ने किया तथा आए अतिथियों का आभार प्रकट संध के अध्यक्ष धर्मचंद लोढ़ा ने किया आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती कविता रतन बोहरा रचिता श्रीश्रीमाल अरूणा रतनबोहरा रुचिता बाघमार परिधी मोदी पंकज बेगानी नितीन संचेती पदम छाजेड़ सोरभ रतनबोहरा के विशेष सहयोग रहा।

विधायक देवेन्द्र यादव के परिवार से मिलने पहुंचे प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, बोले- जल्द देवेंद्र घर आएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव के परिवार से मिलने के लिए कांग्रेस नेता प्रदेश प्रभारी और राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट भिलाई सेक्टर 5 स्थित विधायक निवास पहुंचे। जहां उन्होंने विधायक यादव की मां और परिवार के सभी सदस्यों से मिले। करीब 1 घंटे तक मां के पास बैठक उनका हालाचाल जाना। उनके स्वास्थ्य की खैरियत ली। परिवार के सदस्यों से चर्चा की और सभी को हिम्मत दिया। सभी से कहा कि आप सभी लोग अपना ख्याल रखिए।

सचिन पायलट ने विधायक

देवेन्द्र की मां से कहा कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखे। समय पर भोजन और दवाइएं ले। परिजनों और विधायक देवेंद्र यादव के बड़े भाई धर्मेंद्र यादव से भी कहा कि वे माता जी का ख्याल रहे। देवेंद्र का ख्याल रखने के लिए उनके साथ पूरा कांग्रेस परिवार है. उन्होंने आगे कहा की कांग्रेस नेता राहुल गाँधी जी उन्हें यहाँ भेजा है. ताकि वे देवेंद्र के परिवार का कुशल क्षेम ले कर उन्हें खबर करें. उनके कहने और परिवार का हालचाल जानने वे भिलाई आए है.

सचिन ने कहा की आगे पूरे परिवार को विश्वास जताते हुए कहा कि उनके रहते हुए उन्हें किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। पूरा कांग्रेस परिवार, प्रदेश की पूरी जनता युवा नेता देवेंद्र यादव के साथ है। युवा नेता विधायक छत्तीसगढ़ महतारी का बहादुर बेटा है। जो भोलेभाले, मासूम, निर्दोष प्रदेशवासियों के हक की लड़ाई लड़ रहा है। देवेंद्र यादव की प्रदेश भर में हो रही ख्याति उसकी लोकप्रियता से भयभीत होकर षडयंत्र किया जा रहा है। सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजीत नहीं हो सकता है। एक दिन विधायक देवेंद्र यादव की जीत और पूरे शान से वह बहुत जल्द जेल से बाहर आएगा। सचिन पायलेट ने कहा कि देवेंद्र यादव को जबरदस्ती बलपूर्वक गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ राजनीतिक षड्यंत्र किया गया है जो की पूरी तरह से गलत है। बलौदा बाजार में जो घटना हुई है वह सरेआम हुई है। कांग्रेस कभी जांच से डरती नहीं है। निष्पक्ष जांच हो लेकिन द्वेष पूर्ण तरीके से कार्यवाही कर किसी का चरित्र हरण करने का किसी को अधिकार नहीं है। कांग्रेस नेता धनेंद्र साहू ने सचिन पायलट से कहा कि प्रदेश कांग्रेस की बनाई कमेटी बिलासपुर और बलोदा बाजार जेल जा चुकी है। सतनामी समाज के निर्दोष लोगों से जेल में कोरे कागज में साइन कराए गए हैं। उन पर देवेंद्र यादव का नाम लेने के लिए अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है साथ परिवार को भी घसीटने और रासुका लगाने तक की धमकी दी जा रही है। इस दौरान प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के साथ प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत पूर्व मंत्री रूद्र गुरु पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू भिलाई युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा महापौर नीरज पाल सभी सभी एमआईसी सदस्य उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

भारत रत्न मोक्षगुंडम की 164 वीं जयंती पर महापौर-सभापति ने दी आदरांजलि

रायपुर। आज भारत रत्न महान अभियंता डॉक्टर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरेय्या की 164 वीं जयंती अभियंता दिवस पर राजधानी शहर रायपुर के सिविल लाईन में स्थित उनकी मूर्ति स्थल के समक्ष उन्हें नमन करने पुष्पांजलि आयोजन नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्त्वावधान में नगर निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से संयुक्त अभियंता आयोजन समिति के सहयोग से रखा गया।

आयोजन में पहुंचकर राजधानी शहर के प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे सहित वरिष्ठ अभियंता सीएस पिल्लीवार, संयुक्त अभियंता आयोजन समिति के संरक्षक पीएन सिंह,रायपुर नगर पालिक निगम के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता आरके चौबे, छ ग नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय तकनीकी प्रकोष्ठ के मुख्य अभियंता राजेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में नगर के विभिन्न शासकीय अर्द्ध शासकीय, निजी, व्यवसायिक संस्थाओं में पदस्थ अभियंतागणों ने मूर्ति स्थल पर पहुंचकर भारत रत्न महान अभियंता डॉक्टर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरेय्या को 164वीं जयंती पर सादर नमन कर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

बीएएसएलपी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया की द्वितीय काउंसलिंग 18 सितंबर को

रायपुर। पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के नाक, कान व गला रोग विभाग (ईएनटी) के

अंतर्गत संचालित बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया 2024-25 की द्वितीय काउंसलिंग बुधवार 18 सितंबर 2024 को आयोजित की गई है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को बुधवार 18 सितंबर 2024 को सुबह 10 बजे अम्बेडकर अस्पताल स्थित नाक, कान, गला रोग विभाग, द्वितीय तल के कक्ष क्रमांक 244 में संपूर्ण मूल दस्तावेज के साथ उपस्थित होना है। विभाग की वेबसाईट www.raipurbaslp.org के तकनीकी कारणों से सुचारु रूप से कार्यरत नहीं होने के कारण अभ्यर्थी चिकित्सा महाविद्यालय की वेबसाईट https://ptjnmcraipur.in/ का अवलोकन करते रहें।

राष्ट्रीय लक्ष्य पूरा करने में छत्तीसगढ़ का अहम योगदान - भीम सिंह

पीएम सूर्यघर योजना , 25 हजार का लक्ष्य पूरा करने कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत छत्तीसगढ़ में चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में 25 हजार घरों में रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित करने के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा ऊर्जा सचिव पी. दयानंद के निर्देश पर राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन प्रारंभ किया गया। प्रबंध निदेशक, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी भीम सिंह ने इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूरे प्रदेश से आये मैदानी अभियंताओं से इस योजना को सफल बनाने के लिए अपने-अपने स्तर पर लोगों को जागरूक करने तथा निर्बाध कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए लक्ष्य पूरा करने का आव्हान किया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड एवं आर ई सी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में रायपुर, महासमुंद, बलौदाबाजार, धमतरी जिलों में मैदानी स्तर पर पदस्थ कार्यपालन अभियंताओं एवं अधीक्षण अभियंताओं को योजना से संबंधित जानकारी प्रदाय करने हेतु कार्यशाला का आयोजन गुढ़ियारी रायपुर स्थित केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में किया गया। कार्यशाला में प्रबंध निदेशक भीम सिंह द्वारा मार्गदर्शन किया गया एवं मैदानी अधिकारियों को तेजी से कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। कार्यशाला में विशेष रूप से उपस्थित आर ई सी लिमिटेड के कार्यपालक निदेशक प्रदीप फेलोज द्वारा बताया गया कि इस महती योजना हेतु भारत सरकार ने पूरे देश में 1 करोड़ घरों पर रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित किये जाने हेतु योजनांतर्गत प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी आर ई सी टीम के माध्यम से दी गई।

कार्यशाला में सौर उर्जा के उपयोग को बढावा देने हेतु राज्य में ओपन एकसेस अंतर्गत सौर संयंत्र स्थापना की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी रंजीत एवं रेसीडेसियल कालोनी एवं काम्पलेक्श हेतु सौर संयंत्र लगाये जाने संबंधी वरचुवल नेट मीटरिंग एवं ग्रुप नेट मीटरिंग की जानकारी रॉबिन गुप्ता द्वारा दी गई। उपस्थित मैदानी अधिकारियों द्वारा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्यशाला के आयोजन की सराहना की गई एवं उच्च अधिकारी द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के अनुरूप अपना अपेक्षित सहयोग प्रदान किये जाने का आश्वासन दिया गया।

कार्यशाला में मुख्य रूप से आर ए पाठक कार्यपालक निदेशक (आर ए/पी एम), संदीप वर्मा कार्यपालक निदेशक (रायपुर क्षेत्र), डी एस भगत मुख्य अभियंता केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, राजेन्द्र प्रसाद मुख्य अभियंता (परियोजना) एम डी बडगैय्या मुख्य अभियंता (संचा एवं संघा), पी व्ही सजीव अतिरिक्त मुख्य अभियंता के साथ-साथ मैदानी स्तर के विभिन्न जिलों आये अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालन अभियंता उपस्थित थे। कार्यशाला का सफल संचालन सोलर सेल से बिम्बिसार अधीक्षण अभियंता द्वारा किया गया।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, विसर्जन व ईद पर किया सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी त्योहारी सीजन में गणेशोत्सव, गणेश विसर्जन/झांकी और ईद पर्व के मद्देनजर रायपुर पुलिस ने सुरक्षा की तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए रविवार को फ्लैग मार्च निकाला। इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार किया गया।

फ्लैग मार्च में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात ओ.पी. शर्मा, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी देवेन्द्र पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम डी.आर. पोर्ते सहित शहर के समस्त नगर पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक, थाना प्रभारी और सैकड़ों पुलिस अधिकारी एवं कर्मियों ने भाग लिया। इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य शहर में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखना है, जिससे सभी त्योहारों का उत्सव शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जा सके।

फ्लैग मार्च को दो रूटों में किया विभाजित

- रूट क्रमांक 01 : पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर धमतरी गेट, कालीबाड़ी चौक, मालवीय रोड, जयस्तंभ चौक, तात्यापारा चौक, तेलघानी नाका, आमापारा चौक, लाखेनगर चौक, भाठागांव चौक, संजय नगर, टिकरापारा थाना होते हुए वापस पुलिस लाइन तक गया।
- रूट क्रमांक 2 : पुलिस लाइन से रवाना होकर धमतरी गेट, मालवीय रोड, जयस्तंभ चौक, फाफाडीह चौक, गुढ़ियारी, रामनगर, गुरू गोविंद सिंह नगर, नूरानी चौक, कटोरा तालाब चौक से होकर पुलिस लाइन वापस लौटा।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने महादेवघाट के समीप विसर्जन कुंड की व्यवस्था का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने महादेवघाट के समीप विसर्जन कुंड में पहुंचकर उसकी प्रशासनिक व्यवस्था एवं श्रीगणेश की मूर्तियों के विसर्जन की व्यवस्था की पूर्व तैयारियों का प्रत्यक्ष निरीक्षण नगर निगम जोन 8 के कार्यपालन अभियंता अभिषेक गुप्ता की उपस्थिति में किया।

आयुक्त ने स्थल पर श्रीगणेश की मूर्तियों के विसर्जन की प्रशासनिक व्यवस्था की पूर्व तैयारियों को प्रत्यक्ष देखा एवं सुविधायुक्त विसर्जन व्यवस्था पर आवश्यक निर्देश दिए। आयुक्त ने विसर्जन कुंड की साफ -सफाई, लाइटिंग की व्यवस्था का निरीक्षण किया। आयुक्त ने विसर्जन कुंड स्थल पर वहाँ गोताखोरों, होमगार्डस, फर्स्ट एड मेडिकल कैंप, पीडब्ल्यूडी द्वारा आवश्यक सुरक्षा देने बैरिकेटिंग करवाये जाने एवं फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सहित अन्य सभी आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाओं को समुचित विसर्जन व्यवस्था देने तत्काल सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण कर लिए जाने के निर्देश दिए। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने प्रशासनिक तौर पर यह सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए कि विसर्जन व्यवस्था के दौरान श्रद्धालुओं को असुविधा ना हो एवं वे स्वच्छ वातावरण एवं अच्छी व्यवस्था में श्रद्धापूर्वक श्रीगणेश की मूर्तियों का विसर्जन कर सकें। आयुक्त ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया एवं सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

युवाओं को स्वरोजगार के कार्य को सराहा व किया प्रोत्साहित

रायपुर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने करेंसी टॉवर तेलीबाँधा में संचालित जेनिथ कोवर्किंग स्पेस पहुँचे एवं वहाँ स्थानीय युवक आदर्श शर्मा के प्रयास से संचालित कोवर्किंग स्पेस की गतिविधियों की जानकारी लेकर उसका निरीक्षण किया। जानकारी दी गयी कि जोमेटो, टाटा ब्लू स्कोप स्टील सहित हाउसिंग एवं अन्य क्षेत्र में कार्य कर रही विभिन्न लगभग 20 सुप्रसिद्ध स्टार्टअप्स कम्पनियों को जेनिथ को वर्किंग में स्पेस उयलब्ध करवाए गए है। लगभग 400 से अधिक युवा उद्यमिता के क्षेत्र में स्वरोजगार से जुड़ चुके है व यह क्रम जारी है। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने जेनिथ कोवर्किंग स्पेस का निरीक्षण करने के दौरान आदर्श शर्मा एवं उनकी टीम और आरम्भ केन्द्र हेतु कार्य कर रही।

जिला व सत्र न्यायाधीश ने केंद्रीय जेल का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरेशी अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रमेश चौहान के द्वारा केंद्रीय जेल रायपुर के निरीक्षण के दौरान किचन एवं भंडार कक्ष में निरीक्षण कर खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता में और सुधार करने की हिदायत दी गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा जेल बंदियों को दिए जाने वाले खाने का स्वयं चख कर गुणवत्ता एवं स्वाद के बारे में और बेहतर करने की सलाह जेलर को दी गई।

निरीक्षण के दौरान जेल के कैदियों से मिलकर उनकी परेशानियों को सुने और जेल प्रशासन को कैदियों के साथ मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए बेहतर भोजन एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का ध्यान रखने के लिए निर्देशित किया गया। जेल परिसर के अंदर निर्मित हॉस्पिटल में जाकर बंदी मरीज से बात कर एवं डॉक्टर को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराए जाने के लिए प्रोत्साहित किया और आवश्यकता होने पर रायपुर राजधानी में स्थित सरकारी मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल में इलाज करवे जाने के लिए भी कहा गया। इसके अलावा 21 सितंबर 2024 को होने वाले नेशनल लोक अदालत में जिनका राजीनामा योग्य मामला चल रहा है उनको राजीनामा करने हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के सभी निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाने एवं जेल के बंदियों को परिवार के सदस्य की तरह होना बता कर उनकी प्रति हमारी जिम्मेदारी के बारे में बता उन्हे समाज के मुख्य धारा से जोडने का प्रयास करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

सैकड़ों बच्चों ने किया नवांगी पूजन व क्षमादान

दादागुरुदेव की बड़ी पूजा व सकल जैन समाज की सामुहिक क्षमापना 18 सितम्बर को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर की प्रेरणा से प्रति रविवार को बच्चों के मन मस्तिष्क में सुसंस्कार के बीजारोपण करने श्रीसीमंधर स्वामी जैन मंदिर में सकारात्मक पहल करते हुए बच्चों को प्रभु नवांगी पूजन, देववंदन विधि सिखाई जाती है। अनुमोदना स्वरूप बच्चों को पुरस्कृत किया जाता है। पुरस्कार के लाभार्थी विवेक, यश हर्ष वीर डागा परिवार हैं।

सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि बच्चों ने संवत्सरी पर्व पश्चात आपस में एकदूसरे से वर्ष भर की गलतियों के लिये या जाने अनजाने में दिल दुखाया हो तो क्षमा मांगी व सभी को क्षमादान किया। 18 सितम्बर को पूनम के अवसर पर दादागुरुदेव की बड़ी पूजा व सकल जैन समाज द्वारा सामुहिक क्षमापना 84 लाख जीवायोनि से की जावेगी। कोचर ने आगे बताया कि उत्साहित बच्चे प्रात: से ही पूजन के वस्त्र जैन संस्कृति के परिचायक धोती दुप्पटा पहन कर आते हैं, तथा अपने मधुर कंठ से प्रभु भक्ति के श्लोक, नवांगी पूजन के दोहे व दर्शनम देव देवस्य, दर्शनम पाप नाशनम, दर्शनम स्वर्ग सोपानाम, दर्शनम मोक्ष साधनम के पवित्र आत्म कल्याणकारी श्लोकों के साथ जब एक साथ सभी बच्चों ने सीमंधर स्वामी जिन मंदिर में प्रभु प्रतिमा के सामने सामूहिक स्वर में पाठ किया तो मंदिर में अलौकिक दृश्य उपस्थित हो गया। यही नहीं इस प्रयास से बच्चो के माता पिता भी प्रात: से ही पूजन में आने लगे हैं। ट्रस्टी निलेश गोलछा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा भावी पीढ़ी को संस्कारित करने रात्रि धार्मिक पाठशाला का भी संचालित हो रही है। ट्रस्टी डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि 116 बच्चों को जिनप्रतिमा के 9 अंगों के पूजन की विधि की जानकारी देकर नवांगी पूजा कराई गई। सर्वप्रथम परमात्मा के अंगूठे की पूजा करते हुए दोहा जल भरी सम्पुट पत्र मां, युगलिक नर पूजन, ऋषभ चरण अंगुठडो दायक भवी जल अंत भावपूर्वक बोला जाता है। जैन धर्म में ही भगवान की प्रतिमा में भक्तों द्वारा सीधे पूजन का विधान है। बच्चों को पुरस्कृत किया गया। महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि चारों दादागुरुदेव के सम्मुख विधिपूर्वक गुरुवंदन की प्रक्रिया सिखाई गई, बच्चों ने दादागुरुदेव का विधिपूर्वक खमासमना देकर वन्दन किया।

कॉमेडी के सच्चे मास्टर हैं अभिनेता अक्षय कुमार-चित्रांगदा सिंह

देसी बॉयज और खेल खेल में के बाद एक बार फिर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी।

हाउसफुल 5 की शूटिंग के लिए लंदन जा रहीं अभिनेत्री ने बताया, अक्षय बेहद ही प्रतिभाशाली कलाकार हैं, इसके साथ ही वह कॉमेडी के सच्चे मास्टर भी हैं। हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं, और उनके साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है।

खेल खेल में अक्षय के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, फिल्म खेल खेल में हमारे कैमियो को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली, और मैं हाउसफुल 5 में उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

फिल्म का पहला पार्ट 2010 में रिलीज हुआ था। इसमें अक्षय, रितेश देशमुख, अर्जुन रामपाल, लारा दत्ता, दीपिका पादुकोण और दिवंगत स्टार जिया खान ने भूमिका निभाई थी।

वहीं दो साल बाद फिल्म का दूसरा पार्ट रिलीज किया गया। हाउसफुल का एक स्टैंडअलोन सीक्वल और 1998 की मलयालम फिल्म मट्टुपेटी मचान का रीमेक है। इसमें ऋषि कपूर, रणधीर कपूर, मिथुन चक्रवर्ती, अक्षय कुमार, असिन, जॉन अब्राहम, जैकलीन फर्नांडीज, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े, ज़रीन खान, चंकी पांडे, शाज़ान पद्मसी और बोमन ईरानी जैसे नाम शामिल थे। पहले दो भागों का निर्देशन साजिद खान ने किया था।

तीसरी और चौथी फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। वहीं पांचवीं फिल्म हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। हाउसफुल 5 में फरदीन खान, पूजा हेगड़े और रितेश भी हैं।

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को पिछली बार 2023 में गैसलाइट में देखा गया था। यह एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। इसमें विक्रांत मैसी और सारा अली खान भी हैं।

माचो स्टार गोपीचंद स्टारर विश्वम का बेहद मनोरंजक टीजर जारी

11 अक्टूबर रिलीज होगी फिल्म

निर्देशक श्रीनु वैतला कमर्शियल एंटरटेनर बनाने में माहिर हैं। वे कॉमेडी को हैंडल करने में खास तौर पर माहिर हैं। निर्देशक फिलहाल स्टाइलिश एक्शन और पारिवारिक मनोरंजक फिल्म विश्वम बना रहे हैं, जिसमें माचो स्टार गोपीचंद मुख्य भूमिका में हैं। आज निर्माताओं ने प्रमोशन की शुरुआत करने के लिए फिल्म का टीजर जारी किया।

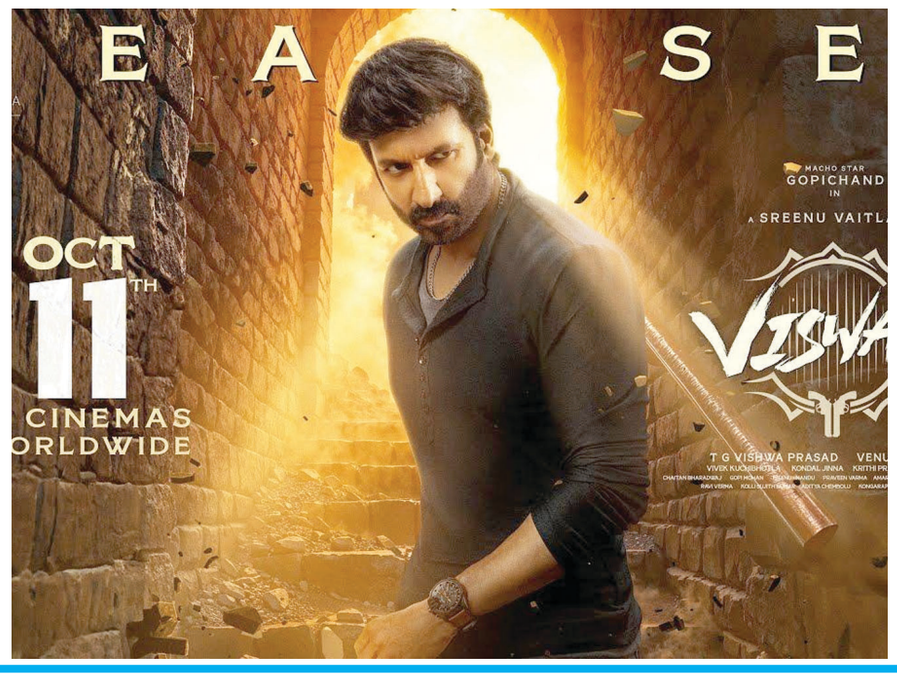

टीजर की शुरुआत नरेश की आवाज से होती है, उसके बाद गोपीचंद और काव्या थापर के किरदारों का परिचय होता है। उनकी विपरीत भूमिकाएं कॉमेडी की चिंगारी का वादा करती हैं। इसके बाद टीजर में प्रमुख कलाकारों के साथ कॉमेडी के कई दृश्य दिखाए गए हैं, जो बाद के हिस्से में एक्शन और रोमांचकारी तत्वों में बदल जाते हैं। श्रीनु वैतला मनोरंजन और एक्शन के बीच संतुलन बनाते हुए अपने अंदाज में वापस आ गए हैं। मजाकिया संवाद और कॉमेडी और एक्शन का मिश्रण इसे एक आशाजनक कमर्शियल आउटिंग बनाता है।

गोपीचंद बेहद स्टाइलिश दिखाई देते हैं और अपनी भूमिका में चमकते हैं, जिसमें कॉमेडी के साथ उनकी हमेशा की तरह तीव्रता भी है। काव्या थापर ने अपने ग्लैमर से फिल्म की अपील को और बढ़ाया है, जबकि नरेश, वेनेला किशोर और अन्य ने हास्य और मनोरंजन में योगदान दिया है। केवी गुहान की सिनेमैटोग्राफी बेहतरीन है, और चैतन भारद्वाज का बैकग्राउंड स्कोर कहानी में गहराई जोड़ता है। पीपल मीडिया फैक्ट्री और वेणु डोनेपुडी के चित्रालयम स्टूडियो के तहत टीजी विश्व प्रसाद द्वारा निर्मित, प्रोडक्शन वैल्यू प्रभावशाली हैं।

श्रीनु वैतला की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में एक अनुभवी सहयोगी गोपी मोहन ने पटकथा लिखी है। टीम में संपादक के रूप में अमर रेड्डी कुदुमुला और कला निर्देशक के रूप में किरण मन्ने भी शामिल हैं। विश्वम दशहरा के लिए 11 अक्टूबर को रिलीज़ होने वाली है, जो इसे त्यौहारी सीज़न के दौरान एक पारिवारिक मनोरंजन के रूप में पूरी तरह से पेश करती है।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2 का ट्रेलर आउट, आलिया, जूनियर एनटीआर समेत सामने आई मशहूर गेस्ट की झलक

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दूसरे सीजन का धमाकेदार अनाउंसमेंट कर दिया है जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। नेटफ्लिक्स इंडिया ने हाल ही में शो का प्रीमियर वीडियो रिलीज कर दिया है जिसमें कपिल शर्मा अपने मजेदार शो के साथ वापसी करने जा रहे हैं। प्रोमो में आलिया भट्ट, जाह्नवी कपूर, सैफ अली खान, करण जौहर, रोहित शर्मा जैसे सितारे गेस्ट के तौर पर आए हैं।

कपिल शर्मा, सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा, राजीव ठाकुर, कृष्णा अभिषेक और अर्चना पूरन सिंह अपने मजेदार कारनामों के साथ सीजन 2 में वापस आ गए हैं। नेटफ्लिक्स ने आज शो के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है जिससे शो के फैंस काफी एक्साइटेड हैं । द ग्रेट इंडियन कपिल शो का दूसरा सीजन 21 सितंबर से स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। जब शो शनिवार (शनिवार) से फनीवार (मजेदार शनिवार) में बदल जाएगा।

दूसरे सीजन में कुछ बड़े कलाकार शामिल होंगे, दर्शकों को आलिया भट्ट, सैफ अली खान, जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और करण जौहर जैसे मशहूर हस्तियों को बिल्कुल नए अंदाज में जानने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। इस सीजन में, टी20 विश्व कप चैंपियन भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा भी नजर आएंगे। हमेशा की तरह कपिल अपनी पंच लाइन से सबका मनोरंजन करने को तैयार हैं।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के पहले सीजन में सुपरस्टार आमिर खान, रणबीर कपूर अपनी मां नीतू कपूर और बहन रिद्धिमा साहनी के साथ, कार्तिक आर्यन, दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा समेत कई अन्य लोग पहले सीजन में शो में मेहमान बनकर आए थे। अब सीजन 2 में नए मेहमानों के साथ कपिल शर्मा की टीम दर्शकों का मनोरंजन करेगी। इसमें कोई दोराय नहीं कि कपिल शर्मा शो के करोड़ों फैन हैं और इसीलिए उनके शो का बेसब्री से इंतजार किया जाता है। अब ट्रेलर रिलीज होने के बाद से फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

रजनीकांत की फिल्म कुली से श्रुति हासन का फर्स्ट लुक आउट, हटकर है साउथ की हसीना का किरदार

साउथ मेगास्टार रजनीकांत अपनी अगली फिल्म कुली की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। शूटिंग के बीच मेकर्स ने फिल्म से श्रुति हासन का फर्स्ट लुक जारी किया है। साथ ही, एक्ट्रेस के किरदार के बारे बताया है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म से नागार्जुन का फर्स्ट लुक जारी किया था।

कुली के मेकर्स ने फैंस को श्रुति हासन के किरदार से रूबरू कराया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का धांसू पोस्टर जारी किया है, जिसे श्रुति ने अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया है। मेकर्स ने श्रुति का फर्स्ट लुक साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, कुली की दुनिया से प्रीति के रूप में श्रुति का परिचय। एक्ट्रेस का नया पोस्टर उनके एनर्जेटिक किरदार को दर्शाता है। साथ ही आधिकारिक तौर पर फिल्म में उनकी एंट्री को चिह्नित करता है।

मेकर्स ने हाल ही में द्वारा आधिकारिक घोषणा से पहले, यह पुष्टि की थी कि श्रुति हासन फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक डिलीटेड स्टोरी में एक्ट्रेस ने कुली के सेट पर अपना पहला दिन साझा किया था।

श्रुति हासन से पहले मेकर्स ने फिल्म से नागार्जुन अक्किनेनी और मंजुम्मेल बॉयज फेम सौबिन शाहिर को आधिकारिक तौर पर पेश किया था। नागार्जुन साइमन की भूमिका निभाते दिखेंगे, जबकि शाहिर ने दयाल नाम के किरदार नजर आएंगे।

दिलचस्प बात यह है कि लोकेश कनगराज की निर्देशित फिल्म में बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान कैमियो करते दिख सकते हैं। हालांकि, अभी तक उनके बीच कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो यह 1995 की फिल्म आतंक ही आतंक के बाद रजनीकांत के साथ आमिर खान की दूसरी फिल्म होगी। रजनीकांत, श्रुति, नागार्जुन के अलावा , फिल्म में अमिताभ बच्चन, फहाद फासिल, राणा दग्गुबाती, जैसे कलाकारों की टोली मुख्य भूमिकाओं में है। यह फिल्म 10 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने दिए किलर पोज, फैंस हुए बेकाबू

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

नेहा मलिक अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड लुक्स को लेकर फैंस के बीच चर्चाओं में रहत हैं। उनका सिजलिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है।

हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नेहा मलिक ने नियॉन कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं। उनके इस लुक पर से फैंस की नजरें हटने का नाम नहीं ले रही है।

बालों को कर्ली स्टाइल कर के और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये किलर अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस भले ही इन दिनों किसी एल्बम सॉन्गस में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी लेटेस्ट पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं।

नेहा मलिक सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है।

बर्तन साफ करने वाले डिटर्जेंट से हो सकता है आपकी जान को खतरा

इस्तेमाल करने से पहले जानें इसके नुकसान

इन दिनों लोग अपनी लाइफ में इतने बिजी हो गए है कि वो हर चीज इतनी जल्दी जल्दी करते है कि उनके पास किसी और चीज के लिए टाइम ही नहीं है। वहीं इन सब चीजों से कितनी दिक्कत हो सकती है। बर्तन तो सभी अपने घरों में धोते ही है। शायद ही ऐसा कोई होगा जो कि बर्तन नहीं धोता होगा। लेकिन क्या आप जानते है कि बर्तन धोने वाले साबुन से भी आपको कैंसर हो सकता है। एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप जल्दबाजी में बर्तन धोते है, तो आपको खाना खाने से पहले थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। क्योंकि अगर बर्तन में गलती से भी डिटर्जेंट चिपका रहे तो इससे आपको कैंसर होने का खतरा हो सकता है। आइए आपको बताते है कि यह क्यों होता है।

कपड़े के लिए डिटर्जेंट कितना खतरनाक

अगर कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट की बात करें तो उससे कैंसर होने की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है। वहीं काफी ज्यादातर लोग कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट में काफी तरह के केमिकल होते हैं। जो अगर गलती से आपके अंदर चला जाए, तो काफी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। वहीं जो कपडों पर डिटर्जेंट से कैंसर होने का जो जोखिम होता है, वो काफी कम माना जाता है। वहीं काफी सारे डिटर्जेंट में सर्फेक्टेंट, एंजाइम और सुंगध होते हैं। वहीं इनमें से कुछ केमिकल जो होते है उनसे त्वचा में जलन, एलर्जी पैदा कर सकते हैं।

बर्तन वाले डिटर्जेंट ज्यादा खतरनाक

अगर आपके बर्तन में डिटर्जेंट चिपका हुआ है और अगर आप उसी में खाना बनाते हैं, तो वो कैंसर, लिवर, और आंत के लिए काफी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। इसके साथ ही इससे खून के व्हाइट ब्लड सेल को कमजोर करने के साथ -साथ काफी सारी बीमारियां भी आ जाती है।

इन बातों का रखें ख्याल

एक्सपर्ट के मुताबिक बर्तन धोते टाइम आप सावधानी का काफी ज्यादा ध्यान रखें। वरना इससे कैंसर जैसी दिक्कत हो सकती है। वहीं अगर आप डिटर्जेंट वाले बर्तन का इस्तेमाल करते हैं, तो वह हमारे शरीर में चला जाता है। जिसके कारण लिवर और कैंसर का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है।

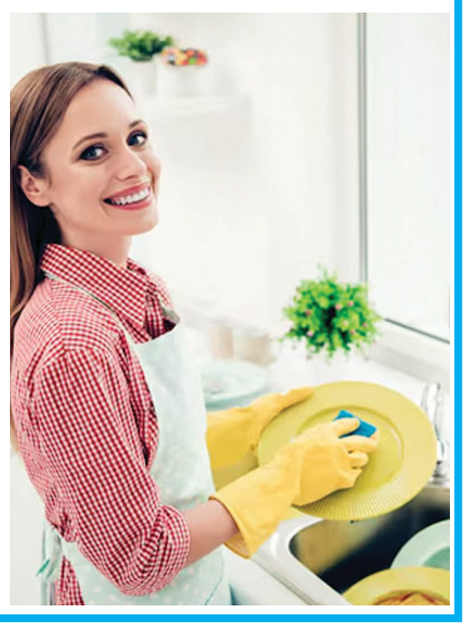

क्लासिकल आर्ट को बनाए रखने में योगदान दें : संजय अग्रवाल

कुचिपुड़ी के नृत्यांगनाओं ने गणपति और शिव वंदना को नृत्य में पिरोया, प्रभु श्री रामलला के जीवन दर्शन और श्रीगणेश वंदना ने महफिल का मन मोहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुर-ताल, लय तथा छंद और घुंघरू के संगीतबद्ध 39 बरस के इस चक्रधर समारोह में आज आठवें दिन मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता और सतना सहित रायगढ़ घराना के कलाकारों द्वारा भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मणिपुरी और शास्त्रीय गायन ने रसिकजनों व दर्शकों को मत्रमुग्ध कर दिया। इन कलाकारों द्वारा शास्त्रीय संगीत से पिरोए हुए गणपति अराधना, शिववंदना, राधा-कृष्ण के रासलीला और कृष्ण व सखा के माखन चोरी की बेजोड़ एवं जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर होने पर मजबूर कर दिया। वहीं रायगढ़ घराना के कथक की शानदार प्रस्तुति ने समारोह में विशेष छटा बिखेरा।

चक्रधर समारोह में शामिल हाईकोर्ट जस्टिस श्री संजय अग्रवाल ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि क्लासिकल आर्ट धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। क्लासिकल आर्ट को बनाए रखने के लिए हमें योगदान देने की जरूरत है। कार्यक्रम के माध्यम से मंच देकर क्लासिकल आर्ट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में रायगढ़वासियों का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अनुभव और एनर्जी से कला को और आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने सभी कलाकारों को शुभकामनाएं और बधाई भी दी। समारोह में हाई कोर्ट जस्टिस श्री संजय अग्रवाल, सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेंद्र कुमार जैन, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, एसपी दिव्यांग पटेल ने मुंबई की भरतनाट्यम कलाकार कृष्णभद्रा नम्बूदरी, मणिपुरी नृत्यांगना पौशाली चटर्जी तथा शास्त्रीय गायक विनोद मिश्रा को सम्मानित किया।

कोलकाता की पौशाली चटर्जी ने राधा-कृष्ण होली, कृष्ण और सखा के माखनचोरी को मणिपुरी नृत्य के माध्यम से दर्शकों के सामने पेश की। वहीं मुंबई की प्रख्यात भरतनाट्यम कलाकार कृष्णभद्रा नम्बूदरी ने दक्षिण भारत के मंदिरों में प्रस्तुत गणेश वंदना को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया। कार्यक्रम में सतना से आए विख्यात संगीतकार विनोद मिश्रा ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। इसी तरह डॉ.रघुपतरुनी श्रीकांत के नेतृत्व में गणपति और शिव वंदना, विवाह के अवसर को बहुत ही द्रुत गति से भावभंगिमाओं के साथ कलाकारों ने मंच पर प्रस्तुति देकर दर्शकों को अपनी ओर लगातार देखने को मजबूर किया। इसी तरह कथक नृत्य के साथ नृत्यांगनाओं ने भी अपनी बेहतरीन प्रस्तुति से मंच पर खुशबू बिखेरी। शिव की उपासना और कृष्ण रास लीला से माहौल भक्तिमय हो गया। नन्हीं कलाकारों ने अपने नृत्य कौशल से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

चक्रधर समारोह के आठवें दिन रायगढ़ के कलाकारों ने मंच पर प्रथम प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शुरूआत की। सर्वप्रथम सुश्री अनन्ता पाण्डेय और शाश्वती बनर्जी ने कथक नृत्य कर खूब तालियाँ बटोरी। शाश्वती बनर्जी ने शिव की उपासना को अपने नृत्य में प्रस्तुति दी। इसी सुश्री तब्बू परवीन के नेतृत्व में उनकी शिष्याओं ने कथक को कृष्ण रासलीला के रूप में बहुत ही सुंदर रूप में मंचन किया। नन्हीं कलाकारों ने अपनी खूबसूरती से दर्शकों को अपनी ओर बांधे रखा। सभी ने इस रासलीला की प्रशंसा की। इन सभी कलाकारों का अभिनंदन राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य अतिथियों ने शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह के साथ स्वागत-सम्मान किया।

कार्यक्रम की अगली प्रस्तुति में रायपुर की कथक कलाकार संगीता कापसे, गीतिका चक्रधर और राधिका शर्मा ने मंच पर रामलला के जीवन दर्शन को नृत्य में प्रस्तुत किया। वहीं कार्यक्रम की अगली प्रस्तुति में मुंबई की प्रख्यात भरतनाट्यम कलाकार कृष्णभद्रा नम्बूदरी ने दक्षिण भारत के मंदिरों में प्रस्तुत गणेश वंदना को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया। उन्होंने तकनीकी टीम के सहयोग से भाव भंगिमाओं के साथ आकर्षक भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग स्वच्छता ही सेवा और विशेष अभियान 4.0 के लिए तैयार

दिल्ली (एजेंसी)। लंबित मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान (एससीडीपीएम) 4.0 के अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी विभाग में स्वच्छता कार्य और लंबित मामलों के निपटान की योजना बनाई जा रही है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग स्वच्छता बनाए रखने और वीआईपी संदर्भों, सार्वजनिक शिकायतों, रिकॉर्ड प्रबंधन, रद्दी कागजों के निपटान जैसे लंबित मामलों को कम करने तथा कार्यालय और आसपास की जगहों को गंदगी से मुक्त और सुंदर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य से विभाग और इसके स्वायत्त निकायों तथा सार्वजनिक उपक्रमों (कुल स्थान 17) ने इस योजना को पूरी तरह से लागू करने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में वैज्ञानिक संवर्गों के प्रमुख और प्रभागीय प्रमुखों ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया। वहीं, 13 जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद (ब्रिक) संस्थानों, आरसीबी फरीदाबाद, आईसीजीईबी नई दिल्ली और डीबीटी के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निदेशकों ने वर्चुअल तरीके से इस बैठक में भाग लिया। इस बैठक में स्वच्छता ही सेवा 2024 और विशेष अभियान 4.0 को बड़े पैमाने पर लागू करने की योजना के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने अपने सभी संस्थानों में इस अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों को पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सक्रिय रूप से उपयोग करने की योजना बनाई है। इस अभियान की योजना और गतिविधियों की नियमित रूप से विभाग के नोडल अधिकारी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव समीक्षा कर रहे हैं ताकि स्वच्छता सुनिश्चित की जा सके और लंबित मामलों को तेजी से निपटाया जा सके।

बच्चों के वजन की एप में हो रही ऑनलाइन एन्ट्री-सुपोषित बनेगी कन्ट्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ सहित बेमेतरा ज़िले में 12 सितंबर से सभी ऑगनबाडी केन्द्रों में राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के तहत् 'वजन त्यौहार' चल रहा है। जो आगामी 30 सितंबर तक चलेगा। इसमें शून्य से छः वर्ष के बच्चों का वजन कर कुपोषण की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा रहा है।

उक्त कार्यक्रम का सफल संचालन हेतु प्रत्येक सेक्टर के अंतर्गत विभागीय अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गई है, साथ ही पर्यवेक्षक की ड्यूटी भी लगायी गई है। आयोजित किये जाने वाले 'वजन त्यौहार' में आयु (0 सें 6 वर्ष तक) के बच्चे, वजन तथा बच्चों की पोषण अभियान की गतिविधियों संबंधी जानकारी का निरीक्षण किये जाने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा द्वारा जिले में कुल सेक्टर पर्यवेक्षक वार 136 क्लस्टर, सभी परियोजनाओं के अंतर्गत समस्त ऑगनबाडी केन्द्रों में वजन त्यौहार आयोजित किया जा रहा है।

बच्चों के वजन की एप्प में होगी ऑनलाइन एन्ट्री सुपोषित बनेगी कन्ट्री। वजन त्यौहार के अवसर पर प्रत्येक ऑगनबाड़ी हेतु ग्राम स्तरीय एवं वार्ड स्तरीय दल का गठन किया गया है दल के समक्ष ऑगनबाड़ी, ग्राम, नगरीय क्षेत्र के सभी सर्वेक्षित बच्चे का वजन लेकर पोषण स्तर का मापन किया जा रहा है।

इस हेतु ऑनलाइन सॉफ्टवेयर से वजन की जानकारी भरकर सॉफ्टवेयर के माध्यम से ही पोषण स्तर ज्ञात किया जायेगा। कुपोषण कुपोषण विषय पर जन जागरूकता में वृद्धि लाने के लिए विशेष कार्य जिले के प्रत्येक परियोजना केन्द्र, ऑगनबाड़ी केन्द्र, ग्राम पंचायत, विकासखण्ड में पृथक पृथक कुपोषण की वर्तमान स्थिति की जानकारी तैयार करते हुए कुपोषण कम करने की कार्य योजना तैयार की गई है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास चंद्रबेश सिंह सिसोदिया, द्वारा समस्त बाल विकास - परियोजनाओं के ऑगनबाडी केन्द्रों में राष्ट्रीय पोषण माह 2024 कार्यक्रम का शुभारंभ बाल विकास परियोजना नॉदघाट अंतर्गत ऑगनबाड़ी केन्द्र ग्राम कुरा (मुरकुटा) किया। सलाह दी गई एवं ऑगनबाडी केन्द्र संबलपुर, मुरता, छेरकापुर एवं पतोरा में क्रियान्वित राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का निरीक्षण किया गया।

मोदी 3.0 : पहले 100 दिनों में तीन लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में तीन लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकार ने कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को सुविधाजनक बनाने के लिए बुनियादी ढांचे में 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। पीएम मोदी ने 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है।

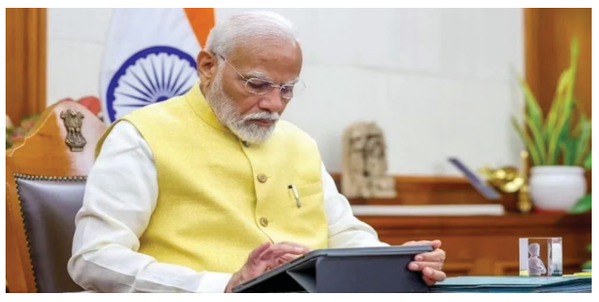

पिछले महीने के अंत में, पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76,000 करोड़ रुपये की लागत वाली मेगा वधवन पोर्ट परियोजना और कई अन्य विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। मुंबई से बमुश्किल 150 किलोमीटर दूर दहानू कस्बे के पास स्थित वधवन बंदरगाह देश के सबसे बड़े गहरे पानी के बंदरगाहों में से एक होगा और केंद्र के बंदरगाह-आधारित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण को बढ़ावा देगा। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बड़े बंदरगाहों को महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनाने की परिकल्पना करता है। इसके पूरा होने पर, इससे देश में 12 लाख नौकरियां और लगभग 1 करोड़ अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

केंद्रीय बजट में राजमार्गों, बंदरगाहों, रेलवे और बिजली संयंत्रों सहित बुनियादी ढांचे के क्षेत्र के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, और विकास को गति देने और अधिक नौकरियां पैदा करने के लिए अगले पांच वर्षों तक इस योजना को जारी रखने की योजना है। सरकार ने अगले दशक में बंदरगाह क्षमता और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए अपने 'मैरीटाइम इंडिया विजन 2030' के तहत बड़े पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे कुछ क्लस्टरों में आपूर्ति-मांग में असंतुलन पैदा हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप बंदरगाहों के लिए प्रतिस्पर्धा और मूल्य निर्धारण दबाव बढ़ सकता है।

बाजार विश्लेषकों को उम्मीद है कि भारत सरकार पूंजीगत व्यय बढ़ाकर सड़क क्षेत्र में निवेश पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का इस क्षेत्र के लिए बजटीय आवंटन पिछले एक दशक में 8 गुना से अधिक बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 2.7 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 22 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे में अगले 3-4 वर्षों में लगभग 60 हजार करोड़ रुपये निवेश की उम्मीद है।

इससे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के तहत नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे, ब्राउनफील्ड विकास और हवाई अड्डे का विस्तार होगा। वित्त वर्ष 2024 में, 21 हवाईअड्डों पर नए टर्मिनल भवनों का संचालन किया गया। इससे प्रति वर्ष लगभग 62 मिलियन यात्री हैंडलिंग क्षमता में वृद्धि हुई। सरकार के बड़े बुनियादी ढांचे के अभियान पर सवार होकर, देश में निर्माण क्षेत्र में वित्त वर्ष 2025 में 12-15 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

इंडिया के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए क्रांतिकारी मंच

दिल्ली(एजेंसी)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के उद्देश्य से एक अभूतपूर्व डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू करेगा। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री (भास्कर) पहल एक ऐसा मंच है जिसे स्टार्टअप, निवेशकों, सलाहकारों, सेवा प्रदाताओं और सरकारी निकायों सहित उद्यम संबंधी इकोसिस्टम के भीतर प्रमुख हितधारकों के बीच सहयोग को केन्?द्रीकृत, सुव्यवस्थित और बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

यह पहल सरकार की उस कल्पना के अनुरूप है, जिसके तहत भारत नवाचार और उद्यमिता में ग्लोबल लीडर का स्थान लेगा, तथा स्टार्टअप आंदोलन के प्रति देश की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा। भारत, जहाँ 1,46,000 से ज़्यादा डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, तेज़ी से दुनिया के सबसे सक्रिय स्टार्टअप हब में से एक बन गया है। भास?कर उद्यमियों और निवेशकों दोनों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने वाला एक विस्तृत, वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करके इस क्षमता का लाभ उठाना चाहता है। एक केन?द्रीकृत रजिस्ट्री के रूप में काम करके, भास?कर संसाधनों, उपकरणों और ज्ञान की एक विस्तृत श्रृंखला तक सहज पहुँच को सक्षम करेगा जो विचार से लेकर क्रियान्वयन तक उद्यमशीलता की यात्रा को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

भास्कर को स्टार्टअप इकोसिस्टम के भीतर नेटवर्किंग, सहयोग और विकास के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। प्रत्येक हितधारक के लिए व्यक्तिगत भास्कर आईडी प्रदान करके, प्लेटफ़ॉर्म आसान बातचीत की सुविधा प्रदान करेगा, खोज क्षमता को बढ़ाएगा, और प्रासंगिक अवसरों और साझेदारियों की कुशल खोज की अनुमति देगा।

भास्कर की मुख्य विशेषताएं: भास्कर का प्राथमिक लक्ष्य स्टार्टअप इकोसिस्टम के भीतर हितधारकों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल रजिस्ट्री बनाना है। इसे प्राप्त करने के लिए, प्लेटफ़ॉर्म कई प्रमुख सुविधाएँ प्रदान करेगा:

नेटवर्किंग और सहयोग: भास्कर स्टार्टअप, निवेशकों, सलाहकारों और अन्य हितधारकों के बीच की खाई को पाटेगा, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में समेकित बातचीत हो सकेगी।

संसाधनों तक केन्द्रीकृत पहुंच प्रदान करना: संसाधनों को समेकित करके, प्लेटफॉर्म स्टार्टअप को महत्वपूर्ण उपकरणों और ज्ञान तक तत्काल पहुंच प्रदान करेगा, जिससे निर्णय लेने में तेज़ी आएगी और अधिक कुशल स्केलिंग संभव होगी।

व्यक्तिगत पहचान बनाना: प्रत्येक हितधारक को एक अद्वितीय भास?कर आईडी सौंपी जाएगी, जिससे प्लेटफ़ॉर्म पर व्यक्तिगत बातचीत और अनुरूप अनुभव सुनिश्चित होंगे।

जानकारी में वृद्धि: शक्तिशाली खोज सुविधाओं के माध्यम से, उपयोगकर्ता आसानी से प्रासंगिक संसाधनों, सहयोगियों और अवसरों का पता लगा सकते हैं, जिससे निर्णय लेने और कार्रवाई में तेज़ी सुनिश्चित होती है।

भारत के ग्लोबल ब्रांड का समर्थन: भास्कर नवाचार के केन्द्र के रूप में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ावा देने के लिए एक वाहन के रूप में काम करेगा, जिससे स्टार्टअप और निवेशकों के लिए सीमा पार सहयोग अधिक सुलभ हो जाएगा।

भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को आगे बढ़ाना: भास्कर का शुभारंभ नवाचार, उद्यमिता और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए सरकार के वर्तमान प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह एक केंद्र के रूप में काम करेगा जहाँ स्टार्टअप, निवेशक, सेवा प्रदाता और सरकारी निकाय सहयोग करने, विचारों का आदान-प्रदान करने और विकास को गति देने के लिए एक साथ आ सकते हैं।

सांस्कृतिक धरोहर और प्रकृति की पहचान का पर्व है कर्मा नृत्य-कैबिनेट मंत्री

कोरबा। अंचल के बुधवारी क्षेत्र स्थित महाराणा प्रताप चैक के पास प्रथम आदिवासी शक्ति पीठ में छत्तीसगढ़ आदिवासी धनवार समाज द्वारा आयोजित कर्मा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने समाज के वरिष्ठजनों के साथ शक्तिपीठ में पूजा-अर्चना कर लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। महोत्सव में उपस्थित समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि ष्प्रकृति की पहचान यह पर्व कर्मा हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। प्रकृति की रक्षा के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है। कर्मा नृत्य संस्कृति एकता का प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा की आदिवासी समाज प्रकृति के पूजक हैं। प्रकृति से प्रेम करते हैं और पर्यावरण की रक्षा में समाज की अहम भूमिका है। इससे समाज में आपसी भाईचारा भी प्रगाढ़ होता है। प्रकृति के प्रति लोगों का यही प्रेम, सम्मान और समर्पण से एकजुटता भी बढ़ती है। अपनी संस्कृति और अपने धर्म की रक्षा के लिए हम सभी आदिकाल से पूजन करते आ रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री आदिवासी वर्ग से आते हैं, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार में आज प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है। इस दौरान पवन सिंह, बुटुल सिंह, ओम प्रकाश, महेश धनवार, लखन सिंह धनवार, बेरला बाई धनवार, कीर्तन धनवार, वीर साय धनवार, शिव नारायण कंवर, निर्मल सिंह राज, रामायण सिंह कंवर, सुमन सिंह नेताम, अजय विश्वकर्मा, गुलजार सिंह राजपूत सहित समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पोषण अभियान में उत्साह से भाग ले रहे नन्हे मुन्ने बच्चे

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश अनुसार जिले को कुपोषण से मुक्त करने सार्थक प्रयास किया जा रहा है। आंगनबाड़ी में बच्चे उत्साह से भाग ले रहे हैं। नवाचार गतिविधियों से बच्चों का उत्साह वर्धन किया जा रहा है। पोषण संबंधित देख-भाल के लिए पोषण माह का आयोजन जिले में किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पोषण अभियान अंतर्गत बच्चों के वजन में बढ़ोत्तरी को मापने के साथ ही वजन त्यौहार , चौपाल, अन्नप्राशन दिवस, परिवार चौपाल, पोषण मेला, व्यंजन प्रदर्शन जैसे आयोजन पंचायत और शहरी क्षेत्रों में किए जा रहे हैं। पोषण के प्रति बच्चों को जागरूक करने के लिए स्कूलों में नारा लेखन, निबंध, चित्रकला और दीवार लेखन प्रतिस्पर्धाएं भी आयोजित की जा रही है। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में भी समूह बैठक में वजन त्यौहार के बारे में चर्चा की जा रही है। ग्रामीण महिलाओं से चर्चा के दौरान 0 से 06 साल के बच्चे, किशोरी बालिकाओं की खान-पान और स्वास्थ्य देखभाल के बारे में बताया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार भोजन में शामिल करने का आग्रह किया जा रहा है। जशपुर जिले के लगभग 4315 आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण माह अभियान चलाया जा रहा है । जिसका लाभ जिले के 76 हजार से अधिक बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

गणेश पंडाल में लाउड स्पीकर को लेकर विवाद, समिति के अध्यक्ष का नाम लिख अधेड़ शख्स ने किया सुसाइड

पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का मामला, घटना से पहले पुलिस ने कराया था दोनों पक्षों के बीच समझौता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में लाउड स्पीकर व साउंड सिस्टम को लेकर विवाद में एक शख्स ने फांसी लगा ली। समिति अध्यक्ष पर मनमानी व प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए शख्स ने अपने घर पर स्टोर रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक ने मरने से पहले एक सुसाइड नोट छोड़ा जिसमें उसने समिति अध्यक्ष गोल्डी वर्मा का जिक्र किया। फिलहाल इस मामले में पुरानी भिलाई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार हथखोज शीतला पारा निवासी धन्नुलाल साहू ने बीती रात अपने घर पर फांसी लगा ली। सुबह उसकी पत्नी ने अपने बेटे नेतराम साहू को अपने पिता को देखने भेजा तो स्टोर रूम में वह फंदे पर लटका मिला। मृतक के पास एक लेटर मिला जिसमें उसने गणेश समिति के अध्यक्ष गोल्डी वर्मा की प्रताड़ना से परेशान होना लिखा। घटना की जानकारी मिलने पर पुरानी भिलाई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सुपेला अस्पताल भेजा।

इधर इस पूरे मामले में मृतक के बेटे नेतराम साहू ने गणेश समिति के अध्यक्ष गोल्डी वर्मा पर गंभीर आरोप लगाया है। नेतराम वर्मा ने बताया कि शनिवार रात को गणेश पंडाल में लाउड स्पीकर व साउंड सिस्टम को तेज आवाज में बजा रहे थे। इस दौरान उनके पिता धन्नु लाल व मोहल्ले के तीन चार लोगों से साउंड सिस्टम का आवाज करने कहा। नेतराम के पिता ने कहा कि वे हार्ट पेसेंट हैं और इस कारण तेज आवाज से परेशानी होती है। यह कहने के बाद भी गोल्डी वर्मा नहीं माना तो धन्नुलाल ने डायल 112 को कॉल किया।

मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने समझाइश दी तो साउंड सिस्टम का आवाज कम कर दिया। इसके बाद समिति का अध्यक्ष धन्नुलाल के पहुंचा और एसडीएम का परमीशल लेटर उनके मुंह पर मारा। गोल्डी वर्मा इस दौरान कहने लगा कि एसडीएम का परमीशन लेटर है और तेज आवाज में बजाएंगे जो करना है कर लो। इसके बाद धन्नुलाल और उसका परिवार पुरानी भिलाई थाने पहुंचे। थाने में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। नेतराम साहू ने बताया कि इसके बाद आधी रात के बाद लगभग 2 से ढाई बजे के बीच समिति वालों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया। विवाद न हो इसलिए धन्नुलाल व उसके परिवार वाले घर पर ही थे। सुबह नेतराम साहू को उसकी मां ने अपने पिताजी को देखने कहा तो वह उनके कमरे में पहुंचा। कमरे में नहीं होने पर स्टोर रूम में देखा तो वे फांसी लगा चुके थे। इस पूरे मामले में नेतराम साहू अपने पिता की मौत का कारण गोल्डी वर्मा को बताते हुए उस पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।

फंदे पर लटका मिला युवक कर शव, हत्या की आशंका में ग्रामीणों ने संदेही के घर पर लगा दी आग

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में पेड़ पर युवक की फंदे पर लटकी लाश मिलने से सनसनी मच गई। गांव वालों ने युवक की हत्या की आशंका जताई और गांव के ही एक दूसरे शख्स पर आरोप लगाते हुए उसके घर पर हमला कर दिया। घटना की सूचना के बाद स्थिति को संभालने के लिए एसपी के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। स्थिति को नियंत्रित करने और गांव में सुरक्षा के मद्देनजर भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है।

यह पूरा मामला थाना रेंगाखार क्षेत्र का है। रविवार की सुबह पेड़ पर एक युवक की लाश लटकी मिली। युवक की पहचान गांव के ही युवक के रूप में की गई है। फंदे पर लटके युवक की हत्या की आशंका जताते हुए ग्रामीणों ने गांव के ही एक शख्स पर आरोप लगाया। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने संदेही के घर को आग के हवाले कर दिया है। फिलहाल पुलिस गांव की स्थिति को संभाल लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

नक्सल प्रभावित थाना क्षेत्र जंगल रेंगाखार के ग्राम लोहारीडीह में हुए बवाल के बाद अब स्थिति साफहोते जा रही है। इस गांव से 5 किमी दूर एमपी-सीजी बॉर्डर पर गांव के युवक कचरू साहू का शव फांसी पर लटके मिला। इसकी हत्या की शक को लेकर ग्रामीणों ने गांव के ही रघुनाथ साहू के घर हमला कर दिया। घर को आग के हवाले कर दिया है। कबीरधाम एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव अपनी टीम के साथ गांव में पहुंचे थे। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया है। इस हमले में एसपी समेत 10 पुलिसकर्मी घायल हुए है।

देर शाम को पुलिस की टीम गांव के भीतर आग लगे हुए घर पर पहुंची, जहां पर रघुनाथ साहू का शव जला हुआ मिला है। अभी भी घर की जांच की जा रहीं है। बताया जा रहा है कि इस गांव में भूमि विवाद चल रहा था। रघुनाथ साहू के परिवार व ग्रामीणों के बीच काफी दिनों से विवाद चला आ रहा था। अब यह विवाद रौद्र रूप ले लिया है। इस घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति है। पुलिस ने करीब 80 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। इसके अलावा गांव में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। अब तक गांव के दो लोगों का शव पुलिस ने बरामद किया है, जिसे पीएम के लिए भेजा गया है। मामले में मर्ग कायम कर पुलिस की जांच शुरू हो गई है।

खास खबर

जांजगीर-चांपा में दुष्कर्म का आरोपी युवक गिरफ्तार, पुलिस ने गांव में घेराबंदी कर पकड़ा

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक विकास भारद्वाज बोरसी का रहने वाला है। मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी अनुसार पीड़ित युवती ने बताया की उसकी विकास भारद्वाज से जान पहचान हुई थी। जिसमे बाद दोनों फोन से बातें किया करते थे। इस बीच विकास भारद्वाज ने शादी करने की बात कहते हुए दुष्कर्म किया है। इसके बाद शादी करने की बात कहने पर टालमटोल करने लगा। पामगढ़ थाने में मामला दर्ज किया गया। आरोपी विकास भारद्वाज के गांव बोरसी में होने की सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची। घेराबंदी कर पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया। घटना के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

तेज रफ्तार बाइक ने ऑटो में पीछे से मारी टक्कर, बाइक सवार दोनों युवकों की मौत

पेंड्रा। पेंड्रा थाना क्षेत्र के पेंड्रा दुबटिया मुख्यमार्ग पर ग्राम अड़भार में भारत माता स्कूल के सामने एक ऑटो और मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार एमसीबी जिले के खड़गवां के रहने वाले दशरथ सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल को पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बाद प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर सिम्स रेफर कर दिया गया था। सिम्स पहुंचने से पहले घायल की रास्ते पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक सवार लोग ऑटो में पीछे से जा घुसे और दुर्घटना घटित हो गई। वहीं, मामले में पुलिस की मानें तो अगर बाइक सवार हेलमेट पहने हुए होते तो कहीं तक बाइक सवार लोगों की जान बच सकती थी। फिलहाल पुलिस मामले में बीएनएस की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

खेलने के दौरान गर्म पानी में गिरी मासूम, इलाज के दौरान हुई मौत

जगदलपुर। फुलबगड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम नीलावरम में रहने वाले लखमा बजामी की दो साल की बेटी खेलने के दौरान गर्म पानी में गिर गई। उसे बेहतर उपचार के लिए मेकाज ले जाया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि लखमा बजामी की दो साल की बेटी हिमांशी 12 सितंबर की शाम को घर में खेलने के दौरान गर्म पानी में गिर गई। गर्म पानी में गिरने से बच्ची झुलस गई। बच्ची की आवाज को सुनकर परिजनों ने उसे बेहतर उपचार के लिए सुकमा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए मेकाज लाया गया। यहां उपचार के दौरान बच्ची ने दम तोड़ दिया। बेटी की मौत की खबर सुनकर परिजनों के साथ ही आसपास के लोगों में भी शोक की लहर छा गई। शव सोमवार की सुबह पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या

■ **घर से 80 किमी दूर मिली थी लाश, आरोपी ने सर्जिकल ब्लेड से रेत दिया था गला**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के सिमगा में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवाई। दीपक (प्रेमी) को 4 लाख रुपए में हत्या की सुपारी दी, जिसके बाद तीन आरोपियों ने सर्जिकल ब्लेड से देवेंद्र का गला रेत दिया। सिमगा से 80 किलोमीटर दूर रायपुर-रायगढ़ हाईवे पर 13 सितंबर को उसकी लाश मिली थी। पूरा मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। हाथ में बने टैटू से भैंसो गांव के लोगों ने शव की पहचान देवेंद्र बनर्जी (37) के रूप में की। पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

13 सितंबर की दोपहर ढेका बाइपास रोड के किनारे एक युवक की लाश मिली। सूचना पर तोरवा पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। धारदार हथियार से युवक का गला रेता गया था। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी। फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। शव की पहचान के लिए पुलिस ने आसपास के जिलों से गुम इंसान की जानकारी जुटाई और पड़ोसी जिलों में उसकी तस्वीर भेज कर पहचान कराने की कोशिश की।

टैटू से हुई मृतक की पहचान

दो दिन बाद जांजगीर-चाम्पा जिले के पामगढ़ क्षेत्र के भैंसो में रहने वाले कुछ लोगों ने हाथ में टैटू से देवेंद्र की पहचान की। पूछताछ में पता चला कि देवेंद्र का ससुराल ग्राम भैंसो ही है। पुलिस ने फिर उसके परिजन और पत्नी अंजली (नैना) से पूछताछ की। शुरुआत में वो गोलमोल जवाब देकर गुमराह करती रही लेकिन बाद में सच्चाई बता दी। पत्नी अंजलि ने बताया कि पति नशे का आदी था, जिसका इलाज रायपुर में चल रहा था। इसलिए वह कुछ दिनों से मायके में आकर रहने लगी थी। पुलिस ने उसके मोबाइल का कॉल डिटेल निकाला तब सिमगा के डिहुपारा निवासी प्रेमी दीपक महिलेश्वर की जानकारी मिली। दीपक ने पूछताछ में बताया कि देवेंद्र नशे में आए दिन पत्नी से मारपीट करता था, इसलिए अंजलि ने उसे देवेंद्र की हत्या करने को कहा। फिर दीपक ने अपने भाई कमल महिलेश्वर (21) दोस्त अनिल रजक (22) विक्की लहरे उर्फमक्खी (22) को चार लाख रुपए में देवेंद्र की हत्या की सुपारी दी।

दोनों ने पहले ही कर ली थी हत्या की प्लानिंग

अंजिल और उसके प्रेमी ने पहले ही हत्या की प्लानिंग कर ली थी। अंजलि ने बेटी का जन्मदिन मनाने के बहाने देवेंद्र को ससुराल बुलाई। ताकि, बेटी का नाम सुनकर वो बहानेबाजी न करे। 13 सितंबर को जब देवेंद्र ससुराल आने के लिए निकला इसके बाद से वह लगातार उसके संपर्क में थी और उससे बार-बार लोकेशन लेकर जानकारी प्रेमी को देती रही। वहीं, दीपक अपने भाई कमल महिलेश्वर को पल-पल का अपडेट देता रहा। जब देवेंद्र ढेका के पास पहुंचा, तब उसका इंतजार कर रहे कमल महिलेश्वर और दोस्तों ने उसे रोक लिया। मोबाइल पर बात करने के बहाने उसे नेशनल हाइवे किनारे दुकान के पीछे ले गए और सर्जिकल ब्लेड से उसके गले पर ताबड़तोड़ वार कर सिमगा लौट गए। तीनों आरोपी बलौदाबाजार जिले के सिमगा के डिहुपारा वार्ड नंबर 5 के रहने वाले हैं। आरोपियों के मुताबिक अंजली और उसके प्रेमी दीपक महिलेश्वर ने हत्या के बाद चार लाख रुपए देने की बात कही थी जो नहीं दिया गया।

सुपेला में साले की हत्या के लिए जीजा ने दी सुपारी, सभी आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना पुलिस ने साले को जाने से मारने की सुपारी देने वाले जीजा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपी फरार था।

जानकारी के अनुसार, सुपेला शराब दुकान के मैनेजर उमेश वर्मा ड्यूटी खत्म करके अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान तीन आरोपी उनकी बाइक को रोककर चाबी छीनने लगे। उमेश के मना करने पर गाली-गलौज करते हुए आज तुझे जान से मार देगें कहते हुए आरोपी ने हाथ में रखे चाकू से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

घायल कृष्णा से पूछताछ करने पर पुलिस ने एक सितंबर को हमला करने वाले नरेन्द्र सोनी, राज मानिकपुरी और शैलेष सिन्हा उर्फ सर्किट को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि राजनांदगांव निवासी अश्वनी उर्फवर्मा को चाकू से मारने के एवज में आरोपी जीजा अश्वनी ने आरोपियों 50 हजार रुपये की सुपारी दी थी। इसके बाद आरोपियों घटना के दो दिन पूर्व पहले रैकी की इसके बाद रास्ता रोककर चाकू से हमला किया गया। घटना के बाद आरोपी जीजा अश्वनी से हमलावरों को 30 हजार रुपए दिया गया। आरोपी जीजा घटना के बाद से फरार था जिसे घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया।

सुपेला थाना प्रभारी राजेश मिश्रा ने बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी जीजा अश्वनी वर्मा ने अपने ही साले उमेश वर्मा को मारने की सुपारी दी थी। पुलिस ने पहले ही हमला करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अब मुख्य आरोपी अश्वनी वर्मा को गिरफ्तार किया गया है।

जादू टोना के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या

■ **लाठी-डंडे से पीट-पीटकर ले ली जान, घटना के बाद पुलिस के सामने किया सरेंडर**

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ सुकमा जिले में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या से हड़कंप मच गया है। जिले के कोंटा क्षेत्र स्थित इटकल गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतकों में 3 महिला और 2 पुरुष शामिल हैं। घटना के बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि इन पांचों की हत्या जादू-टोना के शक में की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार कोंटा के मुरलीगुड़ा कैंप के पास स्थित इटकल गांव में जादू टोना के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान मौसम कन्ना उम्र 60 साल, मौसम बुच्चा उम्र 34 साल, मौसम बिरी, मौसम अरजो उम्र 32 साल, करका लच्छी के रूप में हुई है। इन सभी को लाठी डंडे से बुरी तरह से पीटा गया जिससे इनकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पहुंची पुलिस ने इस मामले में गांव के ही सवलम कन्ना, सवलम लच्छा, कारम सत्यम, कुंजाम मुकेश व पोड़ियाम एंका को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने शुरुआती पूछताछ में बताया कि उन्हें पारिवारिक रूप से लगातार नुकसान हो रहा था। इनको शक था कि इन पर जादू टोना हुआ है। इसी जादू टोना के शक में इन सभी ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। रविवार को आरोपी उनके घर में घुस गए और इसके बाद लाठी-डंडे से पीटते चले गए। इसके कारण पांचों की मौत हो गई। जिस परिवार की हत्या भीड़ ने की है, उस परिवार का मुखिया पुलिस का प्रधान आरक्षक था। घटना के ठीक बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान घटना में शामिल पांच आरोपियों ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया था, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। ग्रामीणों को शक था कि गांव में जो भी उन्नति कर रहा है, वह या तो पूरी तरह से बर्बाद हो जा रहे हैं या फिर उनकी मौत हो जा रही है। इसके पीछे जादू-टोने का शक ग्रामीणों ने जाहिर किया। इसे लेकर ग्रामीणों ने गांव के एक छोर पर बैठक की, जिसमें प्रधान आरक्षक के पिता मौसम बुच्चा पर जादू-टोने का शक जाहिर किया और उसके बाद इस घटना को अंजाम दिया।

छत्तीसगढ़ में मिली बिहार के युवक की लाश: नदी में डूबने से मौत की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के हसदेव नदी के गेमन पुल के नीचे नदी में एक लाश मिली है। बताया जा रहा है कि एनिकट से फिलकर नदी में गिरा और डूबकर उसकी मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के लिए बीडीएम अस्पताल भेजा गया है। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम मनोज कुमार साहू है, जो बिहार के लछलपुर गांव का रहने वाला था। यहां अकेले रहता था। ट्रेलर चलवाने का काम करता था। गणेश पंडाल समिति के लोगों ने बताया कि रविवार को मनोज कुमार साहू चंदा रसीद कटा कर गया है। मनोज शराब के नशे में भी था। आशंका है कि हसदेव नदी में बने एनिकट से पैदाल चलते हुए पैर फिसला होगा। एनिकट से गिरने से पानी में डूबा होगा। एसडीओपी यदुमणि सिदार ने बताया कि सोमवार को हसदेव नदी में नहाने गए लोगों ने नदी में लाश देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पुलिस टीम पहुंची। शव को हसदेव नदी से बाहर निकाला गया। मृतक के जेब से एक मोबाइल और गणेश पंडाल की रसीद मिली है। एसडीओपी ने बताया कि लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। अभी डूबने से मौत की आशंका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा होगा। पुलिस अभी हर एंगल जांच कर रही है।

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

सीएम विष्णुदेव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ को मिलीं 240 ई-बसें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक परिवहन के लिए 240 ई-बसों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन बसों का संचालन राजधानी रायपुर सहित बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग-भिलाई में किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन के ढांचे को दुरुस्त करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा पीएम ई-बस सेवा योजना प्रारंभ की गई है। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर भारत सरकार द्वारा रायपुर के लिए 100, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग-भिलाई के लिए 50-50 तथा कोरबा के लिए 40 ई-बसें स्वीकृत की गई हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने बताया कि सार्वजनिक परिवहन सेवा की इस अभिनव योजना में केंद्र सरकार द्वारा शहरों को बसों की खरीद तथा उनके संचालन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसका एक बड़ा हिस्सा शहरों में बस डिपो जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए भी खर्च किया जाएगा। योजना के अंतर्गत तीन तरह की बसें स्टैंडर्ड, मीडियम और मिनी चलाई जाएंगी। विभिन्न राज्यों में शहरों की जनसंख्या के आधार पर बसों की संख्या निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि ई-बस सेवा प्रारंभ होने से छत्तीसगढ़ के शहरों में कम कार्बन उत्सर्जन से वायु गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण का संरक्षण होगा। कम ऊर्जा खपत और बेहतर ईंधन दक्षता के साथ ही नागरिकों को आरामदायक आवागमन की सुविधा सुलभ होगी।

रायपुर, बिलासपुर, कोरबा और दुर्ग-भिलाई में जल्द शुरू होगी ई-बस सेवा

भारत सरकार करेगी एजेंसी का चयन

पीएम ई-बस सेवा योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार बसों का क्रय तथा संचालन एजेंसी का चयन भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। एजेंसी को केंद्रीय सहायता सुनिश्चित किलोमीटर संचालन के आधार पर दी जाएगी। अगर बसें इससे कम किलोमीटर चलती हैं तो केंद्रीय सहायता उसी के अनुपात में कम हो जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा शहरों के प्रदर्शन के आधार पर पैसा दिया जाएगा। पीएम ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत हर तीन महीने में बसों के संचालन का हिसाब-किताब देना होगा। योजना की सामान्य शर्तों में यह भी शामिल है कि प्रोजेक्ट के तहत दिए जाने वाले पैसे का थर्ड पार्टी ऑडिट अनिवार्य होगा, ताकि पूरी पारदर्शिता रहे।

नागरिकों को मिलेगी किफायती परिवहन की सुविधा

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बताया कि भारत सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना राज्यों को मिलने वाली केंद्रीय सहायता को पारदर्शिता और उनके प्रदर्शन से जोड़ने की कोशिश का हिस्सा है। इसे शहरों में मेट्रो के विकल्प या उसके सहयोगी साधन के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि लोगों को किफायती, भरोसेमंद और सुगम परिवहन की सुविधा मिले। योजना के तहत शहरों को जनसंख्या के आधार पर चार श्रेणियों में बांटा गया है। 20 लाख से 40 लाख तक की आबादी वाले शहरों को 150, दस से बीस लाख और पांच से दस लाख तक की आबादी वाले शहरों को 100-100 तथा पांच लाख से कम आबादी वाले शहरों को 50 ई-बसों की पात्रता है। इसके आधार पर रायपुर को 100 मीडियम ई-बसों, दुर्ग-भिलाई को 50 मीडियम ई-बसों, बिलासपुर को 35 मीडियम और 15 मिनी ई-बसों तथा कोरबा को 20 मीडियम एवं 20 मिनी ई-बसों की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

57 हजार श्रमिकों को कल मिलेंगे 49.43 करोड़

सीएम साय करेंगे डीबीटी के माध्यम से वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश के श्रमिकों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिसका सीधा लाभ श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को मिल रहा है। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय 17 सितंबर विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर 'श्रमिक सम्मेलन' में 57 हजार से अधिक पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को 49 करोड़ 43 लाख 52 हजार 294 रूपए केन्द्रीकृत डी.बी.टी. के माध्यम से वितरण करेंगे। यह सम्मेलन राजधानी के इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय जोरा के कृषि मंडपम में आयोजित होगा।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने यहां बताया कि प्रदेश के पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को श्रम विभाग के अधीन छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत 47 हजार 726 निर्माण श्रमिकों 38 करोड़ 37 लाख 10 हजार 652 रूपए, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत 6873 श्रमिकों को 9 करोड़ 86 लाख 58 हजार 500 रूपए एवं छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल अंतर्गत 2496 श्रमिकों को 1 करोड़ 19 लाख 83 हजार 142 रूपए की राशि डी.बी.टी. के जरिए वितरण करेंगे। इस तरह कुल 57 हजार 95 श्रमिकों को कुल राशि 49 करोड़ 43 लाख 5 हजार 229 रूपये का वितरण केन्द्रीयकृत डी.बी.टी. के माध्यम से किया जाएगा।

जनजातीय गौरव दिवस पर हुई कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू), भिलाई के तत्वावधान में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर में जनजातीय गौरव दिवस के निमित्त एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में जनजातीय समाज के ऐतिहासिक, सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान को सामने लाना है।

कार्यक्रम का आयोजन रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती (5 अक्टूबर) और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती (15 नवंबर) को ध्यान में रखते हुए किया गया, जिसके अंतर्गत पूरे राज्य में 5 अक्टूबर से 15 नवंबर तक 40 दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय समाज के गौरवशाली अतीत, उनके सामाजिक मूल्यों और स्वतंत्रता आंदोलनों में महत्त्वपूर्ण भूमिका को समाज के सामने लाया जाएगा।

इस कार्यशाला में राज्यभर के विभिन्न इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निकल एवं आईटीआई संस्थानों के समन्वयक एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा थे। मुख्य प्रशिक्षक एवं वक्ता के रूप में बस्तर से आए रामनाथ कश्यप और सामाजिक कार्यकर्ता वैभव सुरंगे ने जनजातीय समाज के ऐतिहासिक, सामाजिक और आध्यात्मिक पहलुओं पर गहन प्रकाश डाला। कार्यक्रम स्थल पर जनजाति नायकों की सुंदर प्रदर्शनी भी लगाई गई जो विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के बीच में आकर्षण का केंद्र रही।

इस अवसर पर सीएसवीटीयू के कुलपति प्रो. एम. के. वर्मा, वनवासी विकास समिति के प्रांत अध्यक्ष उमेश कश्यप, रजिस्ट्रार प्रो. अंकित अरोड़ा, शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.आर. खान, डॉ अनुराग जैन प्रांत सचिव वनवासी विकास समिति, टेक्निकल एजुकेशन के उप संचालक और राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजीव शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनजाति छात्राओं द्वारा आकर्षक स्वागत नृत्य की प्रस्तुति भी की गई। कार्यक्रम में सरगुजा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग से बड़ी संख्या में अध्येताओं और छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ी परिधान में प्रतिभागी बने आकर्षण का केन्द्र

उल्लास सम्मेलन : दाई ओ दीदी ओ पढ़ना लिखना है जरूरी गीत ने बांधा समां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भोपाल में आयोजित उल्लास के रीजनल कॉन्फ्रेंस में छत्तीसगढ़ के अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने हर कार्य में बेहतर प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जहां एक ओर नवाचारी गतिविधियों की बेहतर प्रस्तुति दी गई, जिसमें कठपुतली इत्यादि को संजोकर छत्तीसगढ की प्रदर्शनी लगाई गई। शिक्षार्थी व स्वयंसेवी शिक्षक ने चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर उपाय बताएं वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी छत्तीसगढ़ छाया रहा।

भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती अर्चना शर्मा अवस्थी, एनसीईआरटी नई दिल्ली की एनसीएल प्रभारी प्रोफेसर उषा शर्मा राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण व राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद छत्तीसगढ़ के डायरेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा के कुशल नेतृत्व में दो दिवसीय उल्लास क्षेत्रीय सम्मेलन रीजनल कॉन्फ्रेंस भोपाल में आयोजित किया गया। श्री कटारा ने छत्तीसगढ़ में उल्लास कार्यक्रम की प्रगति से संयुक्त सचिव श्रीमती अवस्थी को अवगत कराया। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण में उल्लास कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी कार्यक्रम में प्रोजेक्टर के द्वारा छत्तीसगढ़ में उल्लास में किए गए कार्यों एवं बेस्ट प्रैक्टिसेस को बताया। प्रस्तुतिकरण में साक्षरता चौक साक्षरता रथ साक्षरता ताली स्थानीय संसाधनों से पढ़ने के नए-नए तरीके के साथ यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम चरण में 10 लाख असाक्षरों को साक्षर करने का लक्ष्य दिया गया है, उसमें से 75 प्रतिशत नाम उल्लास पोर्टल में दर्ज कर लिया गया है।

एससीईआरटी एससीएल प्रकोष्ठ प्रभारी डेकेश्वर प्रसाद वर्मा ने बताया कि उल्लास प्रवेशिका को छत्तीसगढ़ के परिप्रेक्ष्य में स्थानीय संदर्भ लोक संस्कृति, लोक कला को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य के 16 स्थानीय भाषाओं में उल्लास गीत पुस्तक एवं ऑडियो निर्माण किए गए है। छत्तीसगढ़ तथा अन्य प्रदेशों के सेल्फ टीचिंग लर्निंग मटेरियल स्टॉल लगाए गए थे। छत्तीसगढ़ का स्टॉल आकर्षक रहा ओर सभी अतिथियों ने किए गए कार्यों की सराहना की। छत्तीसगढ़ राज्य के लिए यह क्षेत्रीय सम्मेलन विशेष रहा है। रायपुर की जिला परियोजना अधिकारी डॉ कामिनी बावनकर के संयोजन में छत्तीसगढ़ की टीम ने सेल्फ टीचर लर्निंग मटेरियल को तैयार करके मंच पर बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया। जिसकी सभी राज्यों ने प्रशंसा की। संचालक श्री कटारा के आतिथ्य में सांस्कृतिक संध्या के प्रतिभागियों को अंग वस्त्र एवं पौधा भेंट किया गया।

भोपाल की धरती पर छत्तीसगढ़ महतारी का वंदन गीत पर शानदार नृत्य निर्जला धीवर, स्वयंसेवी शिक्षक एवं छत्तीसगढ़ के सरगुजा नृत्य हाय रे सरगुजा नाचे... गीत के नृत्य में, हेमधर साहू एवं ग्रुप ने सभी प्रतिभागियों को झूमने पर मजबूर किया। सांस्कृतिक संध्या में छत्तीसगढ़ के बैगा संस्कृति व वेशभूषा से बीएड कॉलेज के छात्र अध्यापकों ने सभी को प्रभावित किया। छत्तीसगढ़ लोक संस्कृति के परिधान में साक्षरता के लिए किए गए कार्यों से लोग प्रभावित हुए और क्षेत्रीय सम्मेलन में अमिट छाप छोड़ी।

छत्तीसगढ़ के स्वयंसेवी शिक्षकों, नव साक्षर, शिक्षार्थी ने साक्षर बनाने में आ रही चुनौतियो को बताते हुए उल्लास में किए गए कार्यों की सफलता की कहानी बताई। स्वयंसेवी शिक्षकों की नवाचारी गतिविधियां कठपुतली के माध्यम से ''दीदी ओ दाई ओ पढ़ना लिखना है जरूरी.....'' जैसे गीतों के साथ स्वयंसेवी शिक्षकों, नव साक्षर, शिक्षार्थी में आत्मविश्वास बना रहा। शिक्षक तस्कीन खान ने बताया कि वह शिक्षार्थियों को कक्षा में जोड़ने के लिए मुस्लिम होने के बावजूद रामचरितमानस सुनाकर रामायण पढ़ने की ललक जगाकर शिक्षार्थियों को पढ़ने की ओर प्रेरित किया। जन जन साक्षर... जय अक्षर का संकल्प लेते हुए छत्तीसगढ़ की टीम ने अपनी उपलब्धियां से दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया। लोगों ने कहा छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया।

वनमंत्री केदार कश्यप ने सर विश्वेश्वरैया की प्रतिमा का अनावरण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, सहकारिता, कौशल विकास एवं संसदीय कार्यमंत्री केदार कश्यप ने यहां नारायणपुर के घड़ी चौक में अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि अभियंता सर विश्वेश्वरैया ने अभियांत्रिकी क्षेत्र में देश को अलग पहचान दिए। श्री कश्यप ने कहा कि डॉ. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया एक सिविल इंजीनियर, राजनेता और मैसूर के 19वें दीवान थे, देश के लिए उनके द्वारा किए गए योगदान को भुलाया नही जा सकता। श्री कश्यप ने कर्नाटक राज्य में स्थित कृष्णा राजसागर बांध को उनकी प्रमुख उपलब्धियों में से एक बताया। भारत के प्रथम अभियंता सर विश्वेश्वरैया को वर्ष 1955 में भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया था।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा दूरस्थ अंचल के जिलों को विकसित करने की दिशा में विशेष कार्य किए जा रहा है। उन्होंने कहा कि नारायणपुर जिले के ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता मनरेगा के कार्य करते हैं, वे बच्चे भी आईआईटी में चयनित होकर कामयाबी हासिल किए हैं। नारायणपुर को विकसित करने में हमारी सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। अभियंताओं द्वारा आवासीय परिसर बनाए जाने की मांग करने पर मंत्री श्री कश्यप ने 30 लाख रुपए की घोषणा की।

इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक रूपसाय सलाम, कलेक्टर बिपिन मांझी, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, डीएफओ सचिकानंदन के., एसडीएम वासु जैन, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता जे.एल.मानकर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के कार्यपालन अभियंता एस. के. वर्मा, पीएमजीएसवाई के कार्यपालन अभियंता विनय वर्मा सहित सभी विभागीय अभियंता मौजूद थे।

सुरक्षा और विकास के मोर्चे पर बड़ी उपलब्धिः साय सरकार की नीतियों से निखर रहा आदिवासी समुदायों का जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासियों के हित में ठोस कदम उठा रही है। दूरस्थ और पिछड़े वनांचल इलाकों में मूलभूत सुविधाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के अलावा बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का काम तेजी से हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने ऐसी कई योजनाएं शुरू की हैं जिनके जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव से जन-जीवन जीवन बदल रहा है। मुख्यमंत्री की पहल पर नियद नेल्लानार योजना से आज आदिवासी परिवारों के जीवन में आशा की नई किरण आई है। इस योजना में माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित नए कैम्पों के आसपास के गांवों का चयन कर शासन के 12 विभागों की 32 कल्याणकारी योजनाओं के तहत आवास, अस्पताल, पानी, बिजली, पुल-पुलिया, स्कूल इत्यादि मूलभूत संसाधनों का विकास किया जा रहा।

दूरस्थ आदिवासी इलाकों से अयोध्या धाम तक सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय की पहल पर भारत सरकार ने हरी झंडी दे दी है। सडकों के विकास को लेकर भी लगातार कार्य किया जा रहा है, जिससे आदिवासी अंचलों तक आवाजाही आसान हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 68 लाख गरीब परिवारों को 05 साल तक मुफ्त राशन देने का निर्णय भी लिया, जिसका लाभ बड़ी मात्रा में आदिवासी अंचलों के जरूरतमंद रहवासियों को मिल रहा है।

तेंदूपत्ता वनवासियों की आजीविका का मजबूत स्रोत है, इससे होने वाली आमदनी को बढ़ाते हुए सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा से 5500 रुपए प्रति मानक बोरा किया, जिसका लाभ चालू तेंदूपत्ता सीजन से ही 12 लाख 50 हजार से अधिक संग्राहकों को मिल रहा है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार जल्द ही चरण पादुका योजना भी शुरू करने जा रही है, इसके साथ ही उन्हें बोनस का लाभ भी दिया जाएगा।

सुरक्षा और विकास के दोहरे मोर्चे पर काम करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आज अनुपात के हिसाब से छत्तीसगढ़ का बस्तर देश में सबसे सैन्य संवेदनशील क्षेत्र बन चुका है, बस्तर डिवीजन में प्रत्येक 9 नागरिकों के पीछे एक पैरामिलिट्री का जवान है। जल्द ही इन क्षेत्रों में सुरक्षाबलों के 250 से ज्यादा कैम्प और नियद नेल्लानार से 58 नए कैम्प स्थापित होंगे ताकि सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का दायरा बढ़ सके। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में आदिवासी संस्कृति और परम्पराओं को आगे बढ़ाने के लिए बस्तर में प्राचीन काल से चले आ रहे अनेक ऐतिहासिक मेलों को भी शासकीय संरक्षण और आर्थिक सहायता दी जा रही है।

दूरस्थ आदिवासी इलाकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के सरकार के मजबूत प्रयास से देश के दूसरे सबसे कम साक्षर जिले बीजापुर में नए भविष्य की बुनियाद गढ़ी जा रही है। बीजापुर जिले में माओवादियों द्वारा बंद 28 स्कूल अब मुख्यमंत्री श्री साय की पहल से खुल गए हैं। स्थानीय बोलियों को सहेजने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सरकार ने आदिवासी अंचलों में स्थानीय बोलियों में प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने का निर्णय नई शिक्षा नीति के तहत आदिवासी समुदायों में शिक्षा की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जिसमें 18 स्थानीय भाषा-बोलियों में स्कूली बच्चों की पुस्तकें तैयार की जा रही हैं। प्रथम चरण में छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादरी, गोंड़ी और कुडुख में पाठ्यपुस्तक तैयार होंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासी युवाओं के सुनहरे भविष्य की नींव भी मजबूत कर रही है। इसी क्रम में नई दिल्ली के ट्रायबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर अब 185 कर दी गई है। इस निर्णय से देश राजधानी में रहकर संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा की तैयारी करने के इच्छुक अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अब इस हॉस्टल में तीन गुने से भी अधिक सीटें उपलब्ध होंगी। इसी तरह आईआईटी की तर्ज पर राज्य के जशपुर, बस्तर, कबीरधाम, रायपुर और रायगढ़ में प्रौद्योगिकी संस्थानों का निर्माण भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ के माओवादी आतंक प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए ब्याज रहित ऋण मिलेगा। शेष जिलों के विद्यार्थियों को एक प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण प्रदान किया जाएगा, जिससे स्वरोजगार की ओर बढ़कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950